हरिभूमि
सिरसा-फतेहाबाद भूमि
रोहतक, सोमवार, 15 जुलाई 2024

11 नशे के खिलाफ लोग लामबंद, चौटाला में प्रदर्शन आज

12 सिख समाज ने की बीस सीटें देने की मांग

खबर संक्षेप

दो घरों में घुसे चोर, शोर मचाने पर हुए फरार

फतेहाबाद। गांव ढाणी में चोर दो मकानों में जा घुसे। चोरों ने एक मकान से हजारों की नकदी चोरी कर ली लेकिन जब वे दूसरे मकान में घुसे तो परिवार के लोगों ने शोर मचा दिया, जिस पर चोर मौके से फरार हो गए। पुलिस को दी शिकायत में गांव ढाण्ड निवासी सोहन लाल ने कहा है कि गत दिवस रात को परिवार के लोग खाना खाकर सो गए थे। देर रात को 2-3 अज्ञात युवक चोरी की नीयत से उसके मकान में घुस गए। इन लोगों ने जिस कमरे में परिवार के लोग सो रहे थे, उस कमरे को बाहर से बंद कर दिया। इसके बाद चोरों ने पास वाले तीनों कमरों की तलाशी ली।

फतेहाबाद जिले से युवती सहित दो लोग लापता

फतेहाबाद। जिले से एक युवती सहित दो नोगों के लापता होने का समाचार है। दोनों मामलों में परिजनों ने पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई है। पुलिस को दी शिकायत में ऑफिसर कालोनी, रतिया रोड टोहाना निवासी एक महिला ने कहा है कि उसका 17 साल की लडक़ी किसी काम से दमकौरा रोड स्थित सीएससी सैंटर जाने की बात कहकर घर से गई थी और उसके बाद वापस घर नहीं लौटी है। इस पर उन्होंने उसकी काफी जगह तलाश की लेकिन जब उसका कुछ पता नहीं चला तो उसने इस बारे पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई। इस बारे टोहाना पुलिस ने केस दर्ज कर युवती की तलाश शुरू कर दी है।

हादसों को जन्म दे रहे लटके बिजली मीटर: सरावगी

सिरसा। युवा कांग्रेस के प्रदेश सचिव कपिल सरावगी ने सिरसा शहर के विभिन्न इलाकों में लगे बिजली के खंभों पर लगे बिजली मीटरों के लटके होने की स्थिति होने पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। रविवार को युवा कांग्रेस नेता कपिल सरावगी ने कहा कि शहर की गली अरोड़ा सुनारों वाली, बेरीवाली गली, मस्जिद वाली गली व धाना कटलीवाली आदि में बिजली निगम की ओर से लगाए गए बिजली खंभों पर लगे बिजली के मीटर बुरी हालत में लटके हुए हैं जिनसे हर पल गंभीर हादसे होने की आशंका बनी रहती है।

चाय लेने गए युवक की मोटरसाइकिल गायब

ओढां। गांव किंगरा से एक मोटरसाइकिल चोरी हो गया। ओढ़ा पुलिस ने मलकीत सिह पुत्र सदुरा सिह निवासी किगंरा की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है। मलकीत सिंह ने बताया कि हमारे खेत मे धान लगाने की लेवर लगी हुई है। 12 जुलाई की दोपहर को मेरा मजदूर सेमा सिह खेत से प्लेटिना मोटर साइकिल पर लेबर के लिए चाय लेने के लिए अपने घर आया था। सेमा सिंह न अपने घर के बाहर मोटरसाइकिल खड़ा करके अन्दर चाय लेने चला गया और जब वापस आया तो मोटरसाइकिल गायब था। उसके बाद उसने घर के आसपास मोटरसाइकिल की तलाश की लेकिन कोई सुराग नहीं लगा।

पुण्यतिथि पर लगाया रक्तदान शिविर

ओढा। एमएम मैमोरियल पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल में छात्रा मनप्रीत-मनप्रीत की पुण्यतिथि पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। गौरतलब है कि हर वर्ष विद्यालय की ओर से मनप्रीत-मनप्रीत की बरसी पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाता है जिसमें गुप्ता ब्लड बैंक बठिंडा और सरकारी अस्पताल सिरसा की टीम पहुंची। इस शिविर में 134 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया। इस दौरान विद्यालय की तरफ से जरूरतमंद परिवारों को राशन भी वितरित किया गया। शिविर में भाग लेने वाले सभी रक्तदाताओं को मेडल, प्रशस्ति पत्र और उपहार देकर सम्मानित किया गया।

पहाड़ी क्षेत्र में अधिक बरसात होने के चलते बढ़ सकता है नदी का जलस्तर

एक साल पहले आज ही के दिन घग्घर ने दिखाया था रौद्र रूप, चारों तरफ था तबाही का मंजर

आपदा को एक साल बीता, अभी शांत है घग्घर नदी

हरिभूमि न्यूज/फतेहाबाद/जाखल

बीते वर्ष शिवालिक की पहाड़ियों में लगातार हो रही बरसात के चलते जाखल क्षेत्र से गुजरने वाली घग्घर नदी ने अपना खूब रौद्र रूप दिखाया था, जिसके चलते आस पास के इलाके जममग्न हो गए थे। यही नहीं, पिछले वर्ष आई बाढ़ से किसानों की फसल पूरी तरह से तबाह हो गई थी। जब जब घग्घर नदी ने अपना विकराल रूप धारण किया है तब तब इसने अपनी तबाही का मंजर दिखाया है। सन-1962 व 1993 के बाद सन 2023 में आई बाढ़ को लेकर आज भी लोग याद कर कांप उठते है। आज से तीन बार पूर्व में आई बाढ़ ने खूब कहर मचाया था। पूर्वजो की माने तो सन 2023 से पहले आई दोनों बार की बाढ़ ने पूरे शहर में करीबन 10 फुट तक के पानी की चपेट में लिया था। हालांकि सन 2023 में आई बाढ़ से आसपास के पूरे क्षेत्र को बाढ़ ने अपनी चपेट में ले लिया था, परन्तु शहर के अंदर पानी आने बच गया था। तीन दशकों के बाद 2023 में आई बाढ़ ने सैंकड़ों गांवों में अपना कहर मचाया था, जिससे किसानों की हजारों हैक्टेयर भूमि फसल के साथ बर्बाद हो गई थी। बाढ़ से जाखल का कई गांवों व शहर का सम्पर्क टूट गया था। जिला मुख्यालय से जोडने वाला कूलां भुना मार्ग टूटने से यह सम्पर्क भी कट गया था।

जाखल। वर्ष 2023 में उफान पर घग्घर। *फोटो: हरिभूमि*

हजारों हेक्टेयर कृषि भूमि हुई थी जलमग्न

राजस्व विभाग की रिपोर्ट के अनुसार एक साल पहले आई बाढ़ से जिलेभर में करीब एक लाख एकड़ जमीन डूब गई थी, जिसमें जाखल सब तहसील के अंतर्गत 21 गांवो में 7000 हजार के करीब हेक्टेयर भूमि शामिल है। किसानों की बर्बाद हुई फसल को लेकर सरकार के खिलाफ किसान अब तक जाखल उप तहसील में धरना दिए हुए है, परन्तु उन्हें अब तक राहत नहीं मिल पाई है। इसे लेकर किसानों ने इस मुद्दे पर किसान महापंचायत कर जाखल उप तहसील को ताला भी जड़ दिया था।

सड़को का निर्माण कार्य में आज भी देरी

बीते वर्ष आई बाढ़ में जाखल में सडकों को काफी नुकसान हुआ था। कई सडकें तेज पानी के कारण टूट गई थी। जाखल खंड में कई सड़के ऐसी है जिनका अभी तक कोई सुधार नही किया गया है। हालांकि कुछ सडके ऐसी है जिसका काम हुआ है उनका पेच वर्क किया गया है, परन्तु वह सही नहीं चल पा रही है।

बाढ़ से बचने के लिए विभाग कर रहा पुख्ता प्रबंध के दावे

बीते दिन प्रदेश में मानसून ने दस्तक दे दी है, पहाड़ों के साथ ही मैदानी इलाकों में भी जमकर बरसात हो रही है। इस बार जिला में भी भारी बारिश का अनुमान जताया जा रहा है। पिछले बार की तरफ इस बार घग्घर व रंगोई जिले में तबाही न मचाये, इसको लेकर सिंचाई विभाग इस बार पुख्ता तैयारियों में जुटा है। विभाग द्वारा मानसून में घग्घर नदी व इसके सहायक रंगोई नाले में जल प्रवाहित के प्रबंधों को लेकर अपने संसाधनों सहित कई गांव के मनरेगा श्रमिकों के सहयोग से इसकी सफाई का कार्य पूरा करवा दिया गया है।

एससी ने फतेहाबाद से पानी के प्रवाह को सिरसा मोड़ा

बीते वर्ष बाढ़ का पानी फतेहाबाद बाईपास पर रोक लिया गया था। हालांकि बाईपास पर बहुत बड़े बांध बनाए गए थे लेकिन शहर में पानी नहीं घुसने दिया गया। इसके पीछे सिंचाई विभाग के एसडी ओपी बिश्नोई व उनकी टीम का महत्वपूर्ण योगदान था। विभाग की टीम ओपी बिश्नोई के नेतृत्व में दिन-रात बाढ़ प्रबंधों में जुटी रही। चिम्मो से लेकर रतिया तक बहते पानी को किस तरह साइफनों के माध्यम से फतेहाबाद बाईपास से पूर्व ही सडक मार्ग तोडकर पानी के प्रवाह को सिरसा की तरफ मोड़ दिया था। विभाग के प्रयासों की लोग अब भी सराहना करते हैं।

क्या कहते है अधिकारी

जब इस बारे में सिंचाई विभाग के एसडीओ संजीव सिंगला से बातचीत की गई तो उन्होंने कहा कि प्रशासन ने आपदा से निपटने के लिए अपनी पूरी तैयारियां पूरी कर ली है। रंगोई नाले की सफाई का काम भी पूरा करवा दिया गया है। कमजोर तटबंधों को मजबूत कर दिया गया है। प्रशासन ने अपने स्तर पर पूरी तैयारियां कर ली है आमजन को किसी भी प्रकार को कोई दिक्कत न आए प्रशासन इसके लिए हर समय नजर बनाए हुए है।

घटिया सामग्री का प्रयोग करने पर दिग्विजय चौटाला ने जताया रोष

सिरसा। जेजेपी के प्रदेश के प्रधान महासचिव दिग्विजय सिंह चौटाला ने उपमंडल डबवाली के गांव गंगा व लखुआना के बीच बन रही सडक़ में घटिया निर्माण सामग्री इस्तेमाल करने का पुरजोर विरोध किया है। दिग्विजय ने कहा कि ग्रामीणों ने इस सिलसिले में उनके संज्ञान में लाया है कि लोक निर्माण विभाग की ओर से बनवाई जा रही इस सडक़ में केवल मिट्टी ही डाली जा रही है जबकि इसकी मजबूती के लिए किसी प्रकार का कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा रहा। उन्होंने कहा कि जब इस पर विभागीय अधिकारियों को सड़क निर्माण में मजबूत सामग्री डालने की बात कही तो उसका ग्रामीणों से पेश आने का तरीका भी संतोषजन

जनता ने भाजपा को दिखाया आईना

सिरसा। हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के डेलीगेट नवीन केडिया ने कहा कि पांच राज्यों के उपचुनावों के नतीजे भाजपा सरकार को आईना दिखाने के लिए काफी हैं। यह भाजपा की आने वाली पराजय का सिग्नल है। सभी प्रदेशों ने दिखा दिया है कि भाजपा का बोरिया बिस्तर गोल होने वाला है। साथ ही कांग्रेस की जय होने वाली है। यहां जारी बयान में नवीन केडिया ने कहा कि उत्तराखंड, प. बंगाल, पंजाब, हिमाचल समेत तमाम जगहों पर भाजपा का जिस तरह से सूपड़ा साफ हुआ है उससे जाहिर होता है कि हरियाणा के चुनावों में कांग्रेस विजय की तरफ बढ़ रही है।

सफाई कर्मचारियों ने किया प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▸▸ डबवाली

अपनी विभिन्न मांगों को लेकर ग्रामीण सफाई कर्मचारियों ने आज डबवाली में रोष प्रदर्शन किया। इसके बाद प्रदर्शनकारी विधायक के प्रतिनिधि से मिले और एक ज्ञापन सोपा। हलका डबवाली के विधायक अमित सिहाग के प्रतिनिधि को ज्ञापन सौंप कर इन लोगों ने मांगे पूरा करवाने हेतु आह्वान किया। विधायक अमित सिहाग की ग्रामीण आंचल में व्यस्तता के चलते उनके द्वारा पूर्व पार्षद विनोद बंसल के नेतृत्व में प्रतिनिधि मंडल भेजा गया। विनोद बंसल ने कर्मचारीयों से विधायक के नाम ज्ञापन प्राप्त किया। कर्मचारियों ने बताया कि उनकी विभिन्न मांगे सरकार द्वारा वर्ष 2023 में मान ली गई थी, लेकिन उन्हें अभी तक लागू नहीं किया गया जिसके चलते उनमें व्यापक रोष है। कर्मचारियों ने विधायक के प्रतिनिधि को विधायक से उनकी मांगों को पूरा करवाने हेतु आवाज बुलंद करने का आह्वान किया। इस संदर्भ में पूर्व पार्षद विनोद बंसल ने बताया कि विधायक के समक्ष कर्मचारियों की मांग को रख दिया गया है और उन्होंने हर उचित मंच पर उनकी मांगों को सरकार के समक्ष रख पूरा करवाने का विश्वास दिलाया है।

सिरसा। ज्ञापन सौंपते ग्रामीण सफाई कर्मचारी।

- हलका डबवाली के विधायक अमित सिहाग के प्रतिनिधि को ज्ञापन सौंपा
- कर्मचारियों ने मांगों को पूरा करवाने के लिए आवाज बुलंद करने का आह्वान किया।

ओढ़ा में कर्मियों ने सीएम का पुतला फूंका

हरिभूमि न्यूज ▸▸ ओढ़ा

ग्रामीण सफाई कर्मचारियों ने अपनी मांगों को लेकर आज नई अनाज मंडी ओढ़ा में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का पुतला फूंक कर रोष जाहिर किया। ग्रामीण सफाई कर्मचारी यूनियन के ब्लाक प्रधान बलराज सिंह की अध्यक्षता में कर्मचारियों ने खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी कार्यालय के गेट पर सभी ने रोष स्वरूप सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। ब्लाक प्रधान बलराज सिंह व ब्लाक सचिव ठाना सिंह ने बताया कि ग्रामीण सफाई कर्मचारी पिछले कई सालों से अपनी समस्याओ को लेकर निरंतर आंदोलन पर है। पिछले साल ग्रामीण सफाई कर्मचारियों ने 59 दिन हड़ताल की और सरकार के खिलाफ चंडीगढ़ में धरना प्रदर्शन किया। दो दिन के पडाव के बाद सरकार के आला अधिकारियों ने उनकी मांगों पर सहमती जताई और हड़ताल को समाप्त करवाया था। मगर उन बातों को करीबन 8 महिने बीत गये सरकार ने ग्रामीण सफाई कर्मचारियों को पक्का करने की कोई बात नहीं की। अब मजबूरन सफाई कर्मचारियों को सड़को पर उतरना पड़ा है। अगर सरकार ने समय रहते सफाई कर्मचारियों की मांगों को जल्द पूरा नहीं किया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। इस अवसर पर प्रधान बलराज सिह, उपप्रधान ठाना सिंह, सचिव बिंद्र सिहं, चरणजीत कोर, अंजीत सिंह, राजा सिंह, पाला सिह सहित अनेक कर्मचारी उपस्थित रहे।

सिरसा। नई अनाज मंडी ओढ़ा में मुख्यमंत्री का पुतला फूंकते ग्रामीण सफाई कर्मचारी।

- कर्मचारियों ने 59 दिन हड़ताल की व सरकार के खिलाफ चंडीगढ़ में धरना प्रदर्शन किया

विधायक ने विकास कार्यों का किया शिलान्यास

हरिभूमि न्यूज ▸▸ डबवाली

विधायक अमित सिहाग ने गांव जोगेवाला, पन्नीवाला मोरिका, देसूजोधा, फुल्लो, हैबूआना आदि गावों में करीब 80 लाख रुपए की लागत से होने वाले विकास कार्यों का शिलान्यास किया। विधायक सिहाग ने जोगेवाला गांव में 15.94 लाख रुपए की लागत से बनने वाली पांच गलियों, पन्नीवाला मोरिका में 27.08 लाख रुपए की लागत से बनने वाली एक गली, देसूजोधा गांव में 7.14 लाख रुपए की लागत से बनने वाली दो शवदाह भाईयों, फुल्लो गांव में 26.21 लाख रुपए की लागत से बनने वाली गली तथा शेड आदि विकास कार्यों का शिलान्यास किया। विभिन्न गावों में आमजन से मुलाकात करते हुए अमित सिहाग ने लोकसभा चुनावों में डबवाली सहित सिरसा क्षेत्र से कांग्रेस पार्टी को भारी बहुमत से विजय दिलाने के लिए उनका आभार व्यक्त किया। सिहाग ने कहा कि जनता द्वारा दिए गए जनादेश के चलते आज कांग्रेस पार्टी तथा इंडिया गठबंधन एक मजबूत विपक्ष बनकर सरकार के समक्ष खड़ा है और अहम मुद्दों पर लोकसभा के भीतर तथा बाहर सरकार को घेर रहा है। उन्होंने कहा कि नीट की परीक्षा हो, मणिपुर हो, महंगाई हो या विकास का मुद्दा हो,इन सभी मुद्दों पर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी तथा संपूर्ण इंडिया गठबंधन सरकार को घेरते हुए जवाब मांग रहा है। उन्होंने कहा कि विपक्ष की मजबूत होने से जो सरकार पिछले 10 साल तानाशाही करते हुए जनता के मुद्दों पर बात नहीं करती थी, आज लोकसभा में जवाब देने पर विवश हो गई है। अमित सिहाग ने कहा कि हरियाणा में आने वाला समय कांग्रेस पार्टी का है और कांग्रेस सरकार बनने पर सही मायने में आम आदमी के अच्छे दिन आएंगे और जनहितैषी फैसले लिए जाएंगे।

सिरसा। गांव जोगेवाला में गली निर्माण कार्य का शुभारंभ करते विधायक अमित सिहाग।

- गावों में करीब 80 लाख रुपए की लागत से होगें विकास कार्य

जेजेपी पदाधिकारियों ने चलाया अभियान

सिरसा। जननायक जनता पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने रविवार को रानियां विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों में जनसंपर्क अभियान चलाया और ग्रामीणों को जेजेपी से जुडने का आह्वान किया। जेजेपी नेता राजेंद्र कसवां एडवोकेट, रानियां हलकाध्यक्ष कुलदीप करीवाला, जगदीश नैन जैलदार, रामप्रताप व विनोद दूकिया आदि ने गांव किराडकोट, बुढाभाणा, मल्लेवाला, कर्मगढ़, पंजुआना, बुर्जभंगु व पन्नीवाला मोटा आदि में जनसंपर्क करते हुए ग्रामीणों को जेजेपी की कल्याणकारी नीतियों से अवगत करवाया। राजेंद्र कसवां एडवोकेट व रानियां हलकाध्यक्ष कुलदीप करीवाला ने इस अवसर पर कहा कि जेजेपी की स्थापना चौधरी देवीलाल की नीतियों व सिद्धांतों पर हुई है और उसी डगर पर चलते हुए पार्टी निरंतर आमजन के कल्याण के लिए कार्य कर रही है।

बसंत पारीक संस्कृत शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष नियुक्त

सिरसा। बैठक में भाग लेते संस्कृत शिक्षक संघ के सदस्य।

हरिभूमि न्यूज ▸▸ सिरसा

संस्कृत शिक्षक संघ में सम्मिलित जिला सिरसा के सभी संस्कृत अध्यापकों की सनातन धर्म संस्कृत महाविद्यालय में सभा का आयोजन सेवानिवृत अध्यापक शीशपाल शास्त्री की अध्यक्षता में हुआ। प्रेस प्रवक्ता राजकुमार ने बताया कि लगभग 20 वर्षों तक लगातार जिलाध्यक्ष का दायित्व निर्वहन करने वाले हरिओम भारद्वाज ने संस्कृत शिक्षक संघ द्वारा की गई गतिविधियों पर प्रकाश डाला। सर्वसम्मति से बसंत पारीक को जिला अध्यक्ष, प्रवीण शर्मा को जिला महासचिव, सतीश वर्मा को जिला कोषाध्यक्ष, डा. संजय, रवि शर्मा, दरोन प्रसाद कोइराला तथा डा. शिशुपाल को उपाध्यक्ष की जिम्मेवारियां दी गई तथा आने वाले दिनों में जिला कार्यकारिणी का विस्तार करने के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर पूर्व प्रधान सुरेंद्र शास्त्री ने कहा कि किसी कारणवश सभा में उपस्थित ना हो सकने वाले जिला के सभी संस्कृत अध्यापकों से निवेदन कि वे बढ़ चढकर आगे आएं खंड या जिला में किसी प्रकार की जिम्मेवारी लेना चाहें तो उनका स्वागत है। सभा में सतपाल, राजकुमार, श्याम सुंदर, रामनिवास, रामकरण, मनोज, अशोक, पुरुषोत्तम, लख्मीचंद, रणवीर सिंह, राकेश कुमार ने उपस्थिति दर्ज करवाई।

- सभा का आयोजन शीशपाल शास्त्री की अध्यक्षता में हुआ
- हरिओम भारद्वाज ने संस्कृत शिक्षक संघ द्वारा की गई गतिविधियों पर प्रकाश डाला।

फ्रॉड से बचाव के लिए पुलिस की साइबर एडवाइजरी जारी

इन्वेस्टमेंट करने से पहले हो जाएं सावधान: एसपी

हरिभूमि न्यूज ▸▸ फतेहाबाद

फतेहाबाद पुलिस की तरफ से टास्क या इन्वेस्टमेंट के नाम पर होने वाले साइबर ठगी के बारे में नागरिकों को जागरूक करने के लिए साइबर एडवाइजरी जारी की गई है। जिसमें इस प्रकार की साइबर ठगी से बचने के उपाय के बारे में जानकारी प्रदान की जा रही है। पुलिस अधीक्षक आस्था मोदी ने साइबर फ्रॉड की प्रक्रिया के बारे में बताया कि साइबर अपराधी किस प्रकार आपको साइबर ठगी का शिकार बनाते हैं। सबसे पहले आपके व्हाट्सअप पर देश या विदेश के नंबरों से मैसेज आता है जोकि आपको पार्ट टाइम जॉब देने के नाम पर होता है। उसमें आपको कुछ बड़े-बड़े यूट्यूब चैनल दिये जाते है जिन्हें आपको सब्सक्राइब करके उसका स्क्रीन शाट उन्हें भेजना होता है। जिसके बदले में वो आपको एक सब्सक्राइब करने का 50 रुपये देते हैं। एसपी ने बताया कि आपको शुरुआत में लगभग 3 सब्सक्राइब का टास्क दिया जाता है और जब आप उन्हे टास्क पूरा करके व्हाट्सएप पर स्क्रीनशॉट भेज देते हैं तो ये आपको बोलते हैं कि यदि आपको पेमेंट लेना है तो वो आपको एक टेलीग्राम की आईडी देते है और बोलते हैं कि इस आईडी पर मैसेज करो। जैसे ही आप टेलीग्राम पर मैसेज करते हैं, तो वो आपकी बैंक डिटेल मांगते हैं। उसके बाद आपके खाते में 150 रुपये आ जाते है। उसके बाद ये आपको टेलीग्राम पर एक ग्रुप का लिंक भेजते हैं कि आप इस ग्रुप में ऐड हो जाओ हम आपको इस ग्रुप में हर आधे घंटे में इसी प्रकार का लिंक देंगे। आपको इसे सब्सक्राइब करके उसका स्क्रीनशॉट वापिस उसी ग्रुप में भेजना है। उसके बाद आपके कुछ पैसे प्राप्त होते है।

फतेहाबाद। एसपी आस्था मोदी।

पुलिस अधीक्षक ने दी जानकारी

एसपी ने कहा कि आपको किसी विदेशी या भारतीय मोबाइल नम्बर से कोई पार्ट टाइम जॉब के लिए कोई मैसेज आता है तो आपको अच्छी तरह जांच पड़ताल करनी चाहिए। यदि आपको थोड़ा भी शक हो तो उसे आपको अनदेखा कर डिलीट कर देना चाहिए। पार्ट टाइम जॉब ऑफर में ज्यादा मुनाफे के चक्कर में ना फंसे और इस प्रकार के मैसेज को अनदेखा करें। यदि आपके पास पार्ट टाइम जॉब का ऑफर आता है तो व्हाट्सएप या टेलीग्राम की बजाय मिलकर आमने सामने ही बात करें।

सुग्गा ने उसे बताया कि आखिर क्यों एक संकीर्ण मानसिकता के चलते दोनों पेड़ काट दिए गए। चिरकाल की सामाजिक, राजनीतिक और नैतिक मान्यताओं का समुच्चय एक साथ भगत पंडित के मस्तिष्क में उभर आया। वक्त बीतता गया। अंततः भगत पंडित गाँव का सरपंच बना। अब उसने अपनी दौड़ को राजधानी तक कर लिया है। इधर सुग्गा को अब भी चबूतरे पर दोनों पेड़ों के फिर से जिंदा होने का इंतजार है। लेकिन पेड़ कहाँ हैं?

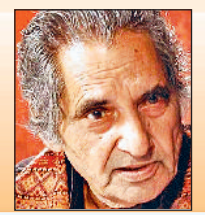

कहानी | डॉ. एस.डी. वैष्णव

पेड़ कहाँ हैं

अगर मंदिर पर से एक भी पेड़ काटा, तो ठीक नहीं होगा। भगत पंडित ने बुलेट बाइक से उतरते ही आवाज मुखर की। 'तुम लोगों ने लगाए पेड़ जो काटने चले आए! अरे, पुरखों की विरासत है यह दोनों। मैं देखता हूँ, कौन काटता हैं!' अपने तल्ख लहजे में उसने सबको आगाह किया।

भगत पंडित गाँव में युवा नेता था। सबके हित की बात करता और कहीं अनुचित होता देखता, तो लड़-भिड़ जाने को तत्पर रहता। मुँह फट आदमी था। एक बार खरी कह दी, सो कह दी। उसके वहाँ आते ही मंदिर पर जमा लोगों को जैसे साँप सूंघ गया। उसने कहा, 'पेड़ लगाने के जमाने में पेड़ काटने पर आमादा हो रहे हो!' उसका बोलना हुआ कि सब आगे-पीछे होने लगे।

भगत पंडित की वजह से कुछ पल चबूतरे पर सन्नाटा पसरा रहा। बड़बड़ाते जाते हुए, उसने कश्मीरी मफलर को गले में ठीक से लपेटा। फिर बाइक को किक लगाई। बाइक डुबू-डुबू-डुबू-डुबू करती हुई, आगे निकल गई।

बाइक के लॉन्ग स्ट्रोक इंजन से आती गहरी गड़गड़ाहट देर तक चबूतरे पर सुनाई देती रही। इंजन से आती उस ध्वनि में चेतावनी की गूँज भी मौजूद थी।इधर घर आने के बाद पेड़ों को लेकर भगत पंडित का मन थोड़ा विचलित था।

गाँव के हनुमान मंदिर के लंबे-चौड़े चबूतरे पर अक्सर युवाओं और बुजुर्गों की बैठकें होती रहती थीं। चबूतरे के दोनों कोनों पर खड़े विशालकाय पीपल और नीम का वृक्ष अपने अतीत की गौरव गाथा स्वयं बयां करते थे। रामलीला का मंचन हो, चाहे अखंड रामायण पाठ, चाहे गाँव में यदा-कदा आने वाले छोटे-मोटे राजनेताओं का सम्मान और भाषण कार्यक्रम आदि इसी चबूतरे पर आयोजित होते। गाँव में जब कभी वानर साम्राज्य का आगमन होता, तब वे कई दिनों तक इन दोनों पेड़ों को अपना घर मानकर, डेरा जमाए रहते जो नित्य छोटे बच्चों के लिए कौतूहल का केंद्र बनते।

शीतकाल में चबूतरे पर बनी धूणी पर अलाव लगाया जाता, फिर देर तक बहस चलती- गाँव में कौन क्या कर रहा है, किस-किसी ने कहाँ-कहाँ अपना खूँटा गाड़ रखा है, कहाँ विवाह है और कहाँ मृत्युपरांत होनेवाली बैठकें..इन सब बातों की जानकारी चबूतरे पर मौजूद थी। कुछ पढ़े-लिखे युवा मृत्युभोज का विरोध करते, तो उन्हें चबूतरे की बैठकों से दुत्कार दिया जाता। आरोप लगाया जाता कि ज्यादा पढ़-लिख गए हैं, अब परंपरा को बिसराने की बात कर रहे हैं। बारह दिन का चाल-चलन तो करना ही पड़ता हैं, अन्यथा मृत आत्मा को शांति नहीं मिलती है।

गाँव में दोनों प्रमुख राजनीतिक दलों के समर्थक बराबर रूप से मौजूद थे। एक बार शीतकाल में रूस-यूक्रेन युद्ध का मुद्दा कई दिनों तक अलाव के आसपास मंडराता रहा। युद्ध लंबा चला, लिहाजा बहस भी लंबी चली। बहस का जब राजनीतिकरण होने लगता, तो बात हाथापाई तक भी आ जाती थी।

खैर, यह मन-मुटाव ज्यादा दिन नहीं चलता और किसी बहस के साथ फिर नयी शुरुआत होती। कुछ दिन बाद चबूतरे पर से अफ़वाह भरी यह खबर भी उठने लगी थी कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का संबंध तो राजस्थान से है। और इन सब बातों के मुख्य गवाह यह दोनों पेड़ ही थे।

समय के पड़ाव के साथ चबूतरे पर टीन शेड डालने की योजना बनी, तो सालों से अपनी बाँहें फैलाए अटल विश्वास के साथ खड़े दोनों विशालकाय पेड़ों को धराशायी होना पड़ा।

भगत पंडित के साथ कुछ और लोगों ने भी इस बात का मजबूती के साथ विरोध किया कि नीम के अपने औषधीय गुण हैं, ऊपर से शीतला माता नीम के नीचे ही विराजित हैं। और पीपल का पेड़ तो किसी भी स्थिति में काटना अपशगुन माना जाता है। पीपल का वृक्ष भगवान विष्णु का जीवंत स्वरूप है, इसलिए इनको यथावत रखा जाए। फिर महिलाओं को दशामाता पूजन के लिए भी पीपल का वृक्ष चाहिए! बहन-बेटियां गाँव से बाहर कहाँ जाएंगी!

खैर, इन तर्कों का कोई सार्थक परिणाम नहीं निकला, क्योंकि टीन शेड डालने वालों की तरफ ज्यादा लोग थे। उनका पक्ष मजबूत था। भगत पंडित को सरपंच पद पर निर्विरोध विजय बनाने का आश्वासन मिला, तो उसने भी अपनी जुबान बंद कर दी। अंततः दोनों पेड़ों को टीन शेड के नाम पर जमींदोज होना पड़ा। पक्षियों के घरौंदे जमीन पर बिखर गए और दोनों पेड़ गाँव वालों की यादों में रह गए।

टीन शेड लगा। फिर पंखे भी लगाए गए, लेकिन उन दोनों पेड़ों जैसी शीतल छाया वाली बात अब कहाँ थी..! सुबह-शाम होने वाला पक्षियों का कलरव भी खत्म हो गया था। संध्या वेला में आरती के समय नीम पर दिखने वाला सारंग और सुर्ख गुलाबी रिंग वाला सुग्गा भी अब नजर नहीं आएंगे। पीपल में तो पितरों और तीर्थों का वास होता है, पर अब यह सब अनुभूति कहाँ होंगी! औरतें कहाँ पूजा करेंगी! बड़ी गंभीर समस्या उत्पन्न हो गई थी।

भगत पंडित के जहन में कवि बिलाल 'वास्कोडिगामा' की पंक्तियाँ तरी हो रही थीं- 'परिंदे नहीं लड़ते पेड़ों से, गौर से देखोङ्क.लड़ रही हैं कुछ भूखी कुल्हाड़ियाँ, पेड़ों के बदन से।'

भगत पंडित ने भीतर से आहत होते हुए भी इस पूरे प्रकरण पर अपनी आँखें मूंदें रखीं, लेकिन सुग्गा की आँखें खुली थीं। इस घटना में कई पक्षियों के साथ उसकी प्रेयसी की भी मौत हो गई थी। नीम कटते वक्त वह कोटर में मौजूद थी। सुग्गा अमेजॉन प्रजाति का बड़ा विचित्र पक्षी था जो लंबे समय से नीम के कोटर में अपनी प्रेयसी के साथ रह रहा था। उसके पास मनुष्यों के भाषण और ध्वनि संकेत को समझने की दिव्य शक्ति थी; लेकिन गाँव में यह बात किसी को मालूम नहीं थी।

एक बार रात के अंतिम पहर में भगत पंडित ने स्वप्न में देखा कि एक रहस्यमयी सुग्गा उसके द्वारा पर बैठा है। वह उसे गाँव के उन षड्यंत्रकारी लोगों के बारे में बताना चाहता है जो उसे चुनाव में एकतरफा विजय बनाने का आश्वासन दे चुके थे। और आगे उनका राजनीतिक हथकंडा और एजेंडा क्या है? उसे मोहरा बनाकर पेड़ काट दिए गये। सुग्गा ने उसे यह भी बताया कि राजनीति का उसूल है- बड़े बरगद के नीचे छोटा बरगद कभी पनप ही नहीं सकता। और भी बहुत कुछ था उस स्वप्न में...।

स्वप्न ने भगत पंडित को झकझोर दिया। पसीने की बूंदें उसके चेहरे पर तैर आईं। वह उठ बैठा। अपना हुलिया दुरुस्त किया और देखा कि वह अपने कमरे में ही मौजूद है। उसने घड़ी में देखा, अभी दिन फूटने में वक्त था। सपने कौनसे सच होते हैं! यही सोचकर वह फिर से कंबल तानकर सोये रहा।

सुबह जब वह घर से बाहर निकाला तो हतप्रभ था। उसने देखा, सुग्गा ठीक स्वप्न वाली जगह पर बैठा था। भगत पंडित को देख, वह उड़कर मंदिर की ओर चला गया।

भगत पंडित के भीतर द्वंद्व चलने लगा। आखिर कौन है बड़ा बरगद! जो भी हो, वह उससे लोहा लेकर ही रहेगा। पेड़ों के कट जाने का पश्चाताप उसे होने लगा। उसने निश्चय किया कि वह टीन शेड हटवाकर पुनः पीपल और नीम का वृक्ष लगाएगा।उसने अपनी बुलेट बाइक स्टार्ट की और मंदिर की ओर चला। वहाँ उसने देखा, सुग्गा मंदिर के गुंबद पर बैठा था।

कुछ दिन आगे एक बार फिर स्वप्न में सुग्गा ने उसे बताया कि आखिर क्यों एक संकीर्ण मानसिकता के चलते दोनों पेड़ काट दिए गए। चिरकाल की सामाजिक, राजनीतिक और नैतिक मान्यताओं का समुच्चय एक साथ भगत पंडित के मस्तिष्क में उभर आया।

वक्त बीतता गया। अंततः भगत पंडित गाँव का सरपंच बना। अब उसकी ठसक और रंग-ढंग अलग है। धीरे-धीरे आगे भगत पंडित को विधायकी के टिकट का भी आश्वासन मिलने लगा है। अब उसने अपनी दौड़ को राजधानी तक कर लिया है। इधर सुग्गा को अब भी चबूतरे पर दोनों पेड़ों के फिर से जिंदा होने का इंतजार है। लेकिन पेड़ कहाँ हैं?

चौपाई छंद | शकुन्तला काजल 'शकुन'

संत कबीर दास

ज्येष्ठ मास की पूरण मासी।
नीरू-नीमा तजें उदासी।।
कारण था नन्हा -सा बालक।
आज बने थे जिसके पालक।।

मगहर की धरती मतवाली।
चारों और दिखी खुशहाली।।
ज्यों -ज्यों बढ़ता गया कबीरा।
ज्ञान -ध्यान में तपा शरीरा।।

निर्गुण ज्ञान मार्ग अपनाया।
तज पाखंड विरोध जताया।।
नित बुराइयों की जड़ खोदी।
बहुतेरे जन बने विरोधी।।

इनके शिष्यों ने बतलाया।
नहीं कभी गुस्से में पाया।।
सत्य- अहिंसा के पथ गामी।
अलबेले थे अंतर्यामी।।

जब-जब इनको गया सराहा।
बेबस और गिराना चाहा।।
शेख तकी ने नफरत बो दी।
ईश्वर ने जिह्वा ही खो दी।।

सबद, रमैनी इनके दोहे।
जो हर प्राणी का मन मोहे।।
कबीर बीजक, कबीर साखी।
तैर गए जिस- जिसने चाखी।।

कविता | निधि राठी

पुराना मकान

एक घर था जो ढह गया,
एक वक्त था जो बीत गया,
दीवारों से खिलखिलाहट झड़ने लगी है,
मेरी यादें मुझे मुंह मोड़ने लगी है।

सब कुछ तो छोड़ जाना है एक दिन,
फिर क्या तेरे संग क्या तेरे बिन,
ऐसे गिन कर दिन गुजार रही हूं,
मानो किसी का क़र्ज़ उतार रही हूं।

वो रह गया अंदर जो कहना था,
कुछ सह चुके थे,
पर शायद अभी और सहना था,
आंगन में नीम का पेड़ मुरझाने
लगा है,
गांव की गलियां सुनसान देखी,
लगा गांव भी शहर सा होने लगा है।

तस्वीर टूटने वाली है,
कांच बिखरने वाला है,
एक तूफ़ान सब बरबस हो जाएगा,
रोक ले नहीं तो पराया हो जाएगा।

खौंफ आता है इन दरारों से,
जो मेरी चौखट में आई है,
वो दूर खड़ी जो हंस रही है,
मैं हूं या मेरी परछाई है।

दरवाजा बंद नहीं होता,
शायद अकड़ गया है,
देखकर इस पुराने मकान की
हालत मेरा दिल बैठ सा गया है,
मकड़ी के बनाए जाल इस
बात का गवाह है,
वीरान रहा, बारिश, ठंड, धूप,
आंधी सब अकेला ही सहता रहा।

खिले फूल किसी एक कोने में
चुपचाप लहराते रहे,
संदूकों में जंग लग गया,
वो कपड़े, गहने यूं ही सड़ते रहे,
मैं जाऊंगी इस जहां से तो
सबको बता कर जाऊंगी,
किला ढह जाएगा, शोहरत मलबे में
दब जाएंगी, रुतबा बिखर जाएगा,
जमीने भी लूट ली जाएंगी।

ग़ज़ल | श्रीभगवान बव्वा

क्या हुआ है आपकी नाराज़गी क्यों चल रही है,
छोड़ भी दे दुश्मनी को उम्र भी अब ढल रही है ।

यह नहीं मालूम मुझको दोष जिसका भी रहा हो,
नफरतों की आग लेकिन बस्तियों में जल रही है।

हैं बने अब खास देखो न्याय के वे भी पुरोधा,
पीढ़ियों से कौम जिनकी ज़ुल्म की दल दल रही है।

छोड़कर उसको बुढ़ापे में कहीं मत और जाना,
माँ तेरी हरदम से तेरे प्यार में पागल रही है।

काश उसको तुम सिखाते वह बहुत मजबूत होती,
आज बेबस जो बेचारी हाथ खुद के मल रही है।

कविता | भूपसिंह भारती

एक पेड़ मां के नाम

आओ बच्चों तुम्हें बताएं,
महिमा पेड़ महान की।
पग-पग पर ये सेवा करता,
निस्वार्थ हर इंसान की।

निकल बीज से धीरे धीरे,
पौध पेड़ में पनपता है।
फैलाकर ये बाहें अपनी,
फूलों से लदा महकता है।
पेड़ हरे फिर बाधा सारी,
देखो इस पूरे जहान की।

अपनी शीतल परछाई से,
गर्मी को दूर भगाता है।
ये मीठे-मीठे फल देकर,
मन को खूब लुभाता है।
हरदम खुशियों से भर देता
खुशियों की झोली भर दे,
ये बिन मांगे अंजान की।

कार्बनडाइऑक्साइड ले,
दे ऑक्सीजन जीवनदायी।
मरकर भी ये ईंधन देता,
जीवन इसका है फलदायी।
ये नहीं भेद करता कोई,
अद्भुत माया भगवान की।

बिन पेड़ों के होने लगे,
जग में घने अंधेरे है।
कंक्रीटों के इन जंगलों से,
बढ़ रहे प्रदूषण घेरे हैं।
जीवन बचाने को बनो कड़ी,
इस पौधगिरी अभियान की।

एक पेड़ मां के नाम पर,
जरूर लगे हर आंगन बीच।
आने वाली पीढ़ी को बचाने,
पेड़ को मन लगाकर सींच।
कहे 'भारती' तभी बचेगी,
जिंदगी भावी संतान की।

लघुकथा | सविता गोयल

फर्ज

'क्या फायदा इतना पढ़ लिखकर इसी देश में रहने का? इतने बड़े डॉक्टर बन गए हो तुम। विदेश में एक से बढ़कर एक मौके मिलेंगे तुम्हें आगे बढ़ने के।'

' हाँ चाचा, आगे बढ़ने के मौके तो मिलेंगे लेकिन अपने देश की सेवा करने का मौका मुझे नहीं मिलेगा। जिस देश में रहकर मैंने शिक्षा प्राप्त की है अब यहीं रहकर उस देश के प्रति अपना कर्तव्य निभाना चाहता हूँ। '

भतीजे के बात सुनकर चाचा ने गर्व से उसकी पीठ थपथपा दी।

' अगर हर बच्चा तुम्हारे जैसी सोच रखे तो हमारे देश को आगे बढ़ने से कोई नहीं रोक सकता। '

लघुकथा | शीला बड़ोदिया

वो गाय

स्कूल की घंटी बजी। नीला बोली, पावी आज मां को खाना बनाने में देर हो गई थी, इसलिए मैं टिफिन नहीं लाई हूं। घर जाकर लंच बॉक्स लेकर आते हैं। स्कूल के बाहर निकल कर पावी बोली, देखो नीला, उस गाय के पेट में कितनी बड़ी गांठ है। वह गांठ के वजन के कारण ठीक से चल भी नहीं पा रही है। हाँ पावी, बेचारी गाय को कितनी तकलीफ हो रही होगी, कितना दर्द हो रहा होगा चलने में। हम तो बोल कर अपनी तकलीफ बता सकते हैं ,लेकिन यह बेजुबान जानवर अपनी तकलीफ किस को कहे और उनकी तकलीफ कौन समझेगा । चलो नीला जल्दी चलो। लंच खत्म हो जाएगा हमें घर से टिफिन लेकर आना है। नहीं तो देर होने पर टीचर हमें डांट लगाएंगे । हां हां पावी चलो, चलते हैं। इतने में गाय उनके पीछे-पीछे भागने लगती है। आगे- आगे पावी और नीला भागते हैं। उनके पीछे-पीछे गाय भागने लगती है। पावी देखो पीछे, हां नीला, हमारे पीछे गाय भाग रही है । यह हमारे पीछे क्यों पड़ी है? हम तो इस पर दया करके उसकी बात कर रहे थे, कि इसे कितनी तकलीफ हो रही होगी, लेकिन यह तो हमारे पीछे ही पड़ गई। नीला जल्दी भागो, जल्दी नहीं तो गाय हमें मार देगी अपने बड़े-बड़े सींग से।

हमारा घर थोड़ी ही दूर रह गया है जल्दी भागो। दोनों की साँस फूल जाती हैं। दोनों नीला के घर पहुंच जाते हैं और गाय दौड़ते हुए आगे की तरफ निकल जाती है घर पहुंच कर पावी और नीला चैन की सांस लेती है । पावी आज तो हम बच ही गए। हां नीला अब हम कभी भी किसी गाय की बात नहीं करेंगे।

सविता मानती हैं कि इस आधुनिक युग में साहित्य, लोक कला और संगीत एक दायरे में सिमट कर रह गए हैं और युवा पीढ़ी की कम होती रुचि का असर सामाजिक और संस्कृति नकारात्मक प्रभाव डाल रहा है। इसके जिम्मेदार हम ही हैं, जो सुविधाएं देने के नाम पर बच्चों को साहित्य, संस्कृति, और लोक कला से दूर कर रहे हैं। हास्य के नाम पर द्विअर्थी कविताएं परोसने से समाज पर बुरा असर पड़ रहा है।

साक्षात्कार | ओ.पी. पाल

आधुनिक युग में साहित्य व लोक कला एक दायरे में सिमटे: सावी

हरियाणा की संस्कृति और संस्कारों की विरासत को संजोने के मकसद से लेखक, साहित्यकार व गायक अपनी कला के हुनर से समाजिक उत्थान में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। समाज सेवा में सक्रिय ऐसी ही लेखिका सविता गर्ग लोक साहित्य और कला जैसे क्षेत्र में लेखन से संस्कृति संवर्धन करने में जुटी हैं। सविता गर्ग 'सावी' ने हरिभूमि संवाददाता से हुई बातचीत में कई ऐसे अनछुए पहलुओं को उजागर किया, जिसमें साहित्य और और संस्कारों के प्रति सकारात्मक ऊर्जा के साथ समृद्ध संस्कृति को जीवंत करने में सक्षम है।

सविता गर्ग का जन्म 3 अप्रैल 1983 को जींद के नगूरा गांव में व्यवसायी राम रत्न गोयल के घर में हुआ। माता गृहिणी हैं और घर का माहौल धार्मिक रहा। उनकी मां बहुत अच्छा गाती हैं। बचपन में मां को भजन गाते गुनगुनाते हुए सुना और उनके साथ गाते-गाते कई भजन याद हो गए। बकौल सविता गर्ग जब वह आठ साल की थी तो उनके मामा उन्हें अपने साथ गांव जाजनवाला ले गए और पढ़ाई वहीं हुई। नाना के घर भी वैसा ही माहौल मिला। वह जिस स्कूल में पढ़ती थी, वहां के हेड मास्टर पंजाब सिंह ने उन्हें गाते सुना तो स्कूल के सांस्कृतिक कार्यक्रम में गाने के लिए प्रेरित किया। इससे बालमन बड़ी आशाओं से भर गया, जिसके बाद बहुत सारे कार्यक्रमों में नृत्य और गायन दोनों किया। बचपन से ही खासकर कविताएं और कहानियां पढ़ने का शौक था। कोई कागज का लिखा हुआ लिफाफा बहुत सावधानी से खोलकर वह कागज़ के लिफाफों पर लिखी कहानियां भी पढ़ती थी। जहां कहीं कोई कागज़ का टुकड़ा मिलता, बस उसे खोलती और पढ़ती। उस वक्त साहित्य के बारे में तो कुछ भी नहीं जानती थी। वह ग्यारहवीं कक्षा में थी, तो सौभाग्य से वृंदावन जाना हुआ और बस वहीं से जीवन में एक ऐसा मोड़ आया कि घर आने के बाद बार बार वृंदावन जाने का मन करता था, लेकिन संभव नहीं था। मन के इस द्वंद्व में कब कलम हाथ में आई पता ही नहीं चला, जो लिखा है वह एक बहुत अच्छा भजन बन गया और उसके लेखन के केंद्र में कृष्ण कन्हैया ही थे। स्कूल की मैगजीन और उसके बाद कॉलेज की मैगजीन में मछोटी छोटी रचनाएं प्रकाशित हुई। इसके अलावा दहेज प्रथा, भ्रूणहत्या, नारी उत्पीड़न और भी कई विषयों पर कविताएं लिखी। सौभाग्य से एक बार उनके कॉलेज में जींद के जाने माने साहित्यकार राजेंद्र मानव गोष्ठी के उद्देश्य से आए, जिनके सामने उन्हें भी कविता पढ़ने का अवसर मिला, जिसे खूब सराहा गया। इसके बाद उन्हें गोष्ठियों में मंच पर गाने का निमंत्रण मिले, जहां से उनकी साहित्यिक गतिविधियां सार्वजनिक हुई। साहित्य और लोककला के क्षेत्र में उतार चढ़ाव भी एक जीवन का हिस्सा होता है। कुरुक्षेत्र में यूथ फेस्टिवल में पहली बार प्रस्तुति के लिए उसकी हरियाणवी नृत्य और गायन की तैयारी थी, लेकिन पिता ने जाने से इंकार कर दिया। पाबंदी की वजह से पहली बार यूथ फेस्टिवल में प्रस्तुति देने का अवसर खोना पड़ था। मन बहुत उदास था, लेकिन समझाने पर भी पापा नहीं माने, तो ऐसे में मां उनका सहारा बनी और इस आयोजन में उनकी दोनों प्रस्तुतियां शानदार रही। हरियाणवी में लेखन और गायन उनका फोकस भ्रूणहत्या, दहेज प्रथा के अलावा देश प्रेम, भाईचारा, संस्कृति व आध्यात्मिकता पर रहा है। अभी तक उनके 17 हिंदी और हरियाणवी भजन रिलीज हो चुके हैं। सविता गर्ग राष्ट्रीय कवि संगम पंचकूला इकाई की अध्यक्ष भी हैं। खास बात यह भी है कि हरियाणा साहित्य अकादमी द्वारा एकल काव्य संग्रह के प्रकाशन हेतु पाण्डुलिपत चयनित व अनुदान स्वीकृति प्राप्त सविता गर्ग हिंदी साहित्य सेवा के साथ समाज सेवा में सक्रिय हैं।

सविता मानती हैं कि इस आधुनिक युग में साहित्य, लोक कला और संगीत एक दायरे में सिमट कर रह गए हैं और खासतौर से युवा पीढ़ी की कम होती रुचि का असर सामाजिक और संस्कृति नकारात्मक प्रभाव डाल रहा है। इसके जिम्मेदार हम ही हैं, जो बच्चों को साहित्य से दूर कर रहे हैं।

प्रकाशित पुस्तकें

सविता की प्रकाशित पुस्तकों में एकल काव्य संग्रह 'मेरी उड़ान' और 'मैं मीरा-सी' तथा बाल काव्य संग्रह 'प्यारी सोनपरी' सुर्खियों में हैं। इसके अलावा नशामुक्ति जैसे विषय पर आधारित संयुक्त काव्य संकलन 'ये जिंदगी है अनमोल' तथा संयुक्त काव्य संकलन 'उमंग अभिव्यक्त' में उनकी कविताएं प्रकाशित हुई हैं। राज्य की स्वर्ण जयंती के उपलक्ष्य में प्रकाशित सांझा बाल काव्य संकलन 'दुनिया गोल मटोल' में उनकी कविताओं को प्रमुखता से स्थान मिला है। उनके 17 भजन जारी हो चुके हैं। विभिन्न समाचार पत्रों पत्रिकाओं में हिंदी व हरियाणवी कविताओं व गीतों का प्रकाशन होता आ रहा है।

सविता गर्ग 'सावी'

पुरस्कार व सम्मान

उन्हें अंतरराष्ट्रीय पद्म शौर्य सम्मान, भारत गौरव सम्मान, मैथिली शरण गुप्त सम्मान, हरियाणा भूषण सम्मान, नारी शक्ति सम्मान, कोकिला रत्न सम्मान, युवा शताब्दी साहित्यकार सम्मान, निर्भया अवार्ड, मधुशाला गौरव सम्मान, अमृत महोत्सव काव्य गौरव सम्मान, हरियाणा गौरव काव्य दर्पण सम्मान, अग्र गौरव सम्मान, वूमेन वर्ल्ड रिकॉर्ड्स द्वारा वूमेन इंस्पिरेशनल अवार्ड के सम्मान प्रमुख हैं। उन्हें बिहार की संस्था विक्रमशिला हिंदी विद्यापीठ द्वारा विद्यावाचस्पति की मानद उपाधि से सम्मानित किया जा चुका है।

व्यक्तिगत परिचय

नाम: सविता गर्ग 'सावी'
जन्मतिथि: 3 अप्रैल 1983
जन्म स्थान: गांव नगूरा, जींद(हरियाणा)
शिक्षा: स्नातक डिग्री(जन प्रशासन)
संप्रति: समाज सेविका, गायिका, स्वतंत्रत लेखन

लोहिया के समाजवाद से परिचय कराती पुस्तक

पुस्तक : लोहिया के सपनों का भारत
लेखक : अशोक पंकज
प्रकाशक : राजकमल

पुस्तक समीक्षा | डॉ. जितेंद्र प्रसाद

लोहिया के बारे में लिखना संवेदनशील और गंभीर कार्य है, जिसको इस पुस्तक के लेखक ने बखूबी निभाया है। लोहिया अपने आपमें एक प्रतिरोध हैं, जिन्होंने तत्कालीन समय के राष्ट्रीय, अन्तर्राष्ट्रीय विचारधाराओं के बरक्स स्वयं की समाजवादी विचारधारा को एक विकल्प के रूप में खड़ा किया। लोहिया के समाजवाद संबंधी विचार, उनकेभाषणों, लेखो, में बिखरा हुआ है जिसे प्रो.अशोक पंकज ने संक्षिप्त पुस्तक में बड़ी सहजता के साथ पेश किया है। उम्मीद है कि इस पुस्तक के माध्यम से लोहिया के विचारों पर शैक्षणिक जगत और आमजनमानस में चर्चा-परिचर्चा एवं विमर्श की एक नई शुरूआत होगी। लोहिया के विचारों को आमजनमानस तक पहुँचाना लेखक का एक प्रमुख उद्देश्य है, जिसमें वे सार्थक हुए हैं। इस पुस्तक में लेखक ने लोहिया के समाजवाद के विचारों को सैद्धांतिक, वैचारिक एवं अन्य पहलुओं को पांच खंडों में प्रस्तुत किया है। पहला खंड, लोहिया के समाजवाद की रूपरेखा है; दूसरा खंड, लोहिया के सैद्धांतिक पहलुओं, जिसमें समता से संपन्नता, सिविलनाफ़रमानी से लोकतंत्र को बताया गया है; तीसरा खंड, लोहिया के वैचारिक पहलू; चौथे खंड में व्यावहारिक पहलू, तथा पांचवें खंड में उनके विचारों की समसामयिकता का विश्लेषण किया गया है । लेखक ने पुस्तक में लोहिया के विचारों के सैद्धांतिक पहलुओं को प्रस्तुत करने के साथ उनके विचारों का भविष्य में क्या आधार होगा, यह संभावना भी तलाशी है।

प्रो.पंकज ने पुस्तक में लोहिया के सपनों के भारत का महत्वपूर्ण स्तंभ 'चौखंभा राज' की अवधारणा को सरल तरीके से व्याख्या की है, जिसमें लोहिया सत्ता का विकेंद्रीकरण करना चाहते हैं। लेखक ने राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रति व्यक्ति आय में असमानता, बढ़ती गरीबी, जातीय एवं वर्ग भेद, शिक्षा एवं स्वास्थ्य के सुविधाओं की कमी रोजगार का संकट के आँकड़ों को प्रस्तुत कर यह साबित किया है कि,'लोहिया के सपनौं का भारत' का निर्माण अधूरा है और उसके लिए उनके विचारों को समझाने एवं कार्यक्रमों को सही संदर्भों में लागू करने पर बल दिया है । लेखक 'लोहिया के सपनों का भारत' के निर्माण को समसामयिक राजनीतिक परिदृश्य से गायब पातेहैंऔर उसे साकार होने की उम्मीद के रूप में देखते हैं। उन उम्मीदों में इस पुस्तक की प्रासंगिकता है और इसकी सार्थकता भी।

खबर संक्षेप

रोहतक रोड पर लगाया रक्तदान शिविर

नरवाना । फर्नीचर एसोसिएशन के प्रेस सचिव सोकत अली के प्रतिष्ठान रोहतक रोड पर साहिल स्टील पर स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में आसपास के लोगों ने बढ़चढ़ कर भाग लिया गया। शिविर में कुल 51 यूनिट रक्त इकट्ठा किया गया। इस अवसर पर अपने संबोधन में आयोजक शौकत अली ने कहा कि यह एक महत्वपूर्ण सामाजिक कार्य है।

सत्ता के जाने के डर से खुद के फैसले बदल रही भाजपा

उचाना। मार्केट कमेटी पूर्व चेयरमैन एवं कांग्रेस नेता वीरेंद्र घोघडिया घोघडिया ने जनसंपर्क अभियान के तहत ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश में भाजपा की सरकार अब सत्ता से बेदखल होने के डर से हर रोज यू-टर्न लेने में लगी है। यू-टर्न का रिकॉर्ड बनाने के बाद भी अब इनका सत्ता में बने रहना मुमकिन नहीं है।

मोबाइल से होने वाले नुकसानों की जानकारी दी

उचाना। ओम इंटरनेशनल स्कूल दरोली खेड़ा में विद्यार्थियों को मोबाइल से होने वाले नुकसानों के बारे में बताया गया। प्रिंसिपल डिंपल अरोड़ा ने कहा कि आज मोबाइल लोगों के लिए एक बहुत जरूरी गैजेट बन गया है। लोग अपने साथ चल रहे इंसान को भूल जाते है लेकिन फोन के लेना नहीं भूलते है।

जरूरतों को पूरा करने में पीएम घर योजना कारगर

जींद। डीसी मोहम्मद इमरान रजा ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना शुरू की गई है। इस योजना के तहत प्रदेश के ऐसे परिवार जिनकी वार्षिक आय 1.80 लाख रुपये से कम है वे योजना का लाभ उठा सकते हैं। सोलर पैनल लगाने का खर्च एक लाख 10 हजार रुपये है। 60 हजार रुपये की राशि केंद्र सरकार द्वारा और 50 हजार रुपये की राशि हरियाणा सरकार द्वारा दी जाएगी।

स्वास्थ्य कर्मचारी एसोसिएशन की बैठक

जुलाना। जुलाना कस्बे के नपा कार्यालय में बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कर्मचारी एसोसिएशन की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता प्रधान सुदेश रानी ने की। बैठक में सर्वसम्मति से कार्यकारिणी का गठन किया गया। बैठक में कार्यकारी ब्लॉक प्रधान रमेश कुमार, सचिव वीरेंद्र दलाल, उपप्रधान जितेंद्र सैनी, कैशियर कप्तान सिंह, ज्वायंट सेक्रेटरी कृष्ण, प्रचार सचिव सुनील वर्मा को बनाया गया।

कैडेट्स को आग बुझाने के तरीके बताए

जींद। 15 हरियाणा बटालियन एनसीसी के द्वारा चलाए जा रहे वार्षिक प्रशिक्षण कैंप में सातवें दिन एनसीसी ट्रेनिंग में कैडेट्स को ड्रिल सिखाई गई और मैप रिडिंग के बारे में जानकारी दी गई। कैडेट्स को विभिन्न साहसिक प्रशिक्षण गतिविधियों के बारे में वस्तार से जानकारी दी गई। अग्निशमन विभाग द्वारा कैडेट्स को आग लगने के बाद उसे बुझाने के विभिन्न तरीकों के बारे में जानकारी दी गयी।

जाखल शहर से गुजरते चंडीगढ़-बुढलाडा मार्ग का निर्माण कार्य शुरू

सड़क चौड़ीकरण से बदल जाएगी शहर की सूरत, आवगमन होगा सुगम

तीन माह की अवधि में पूरा होगा कार्य, लोक निर्माण विभाग ने मार्ग का कार्य शुरू करवाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जाखल

आमजन के लिए राहत भरी खबर है कि शहर के बीच में से गुजरते सबसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय राजमार्ग चंडीगढ़- बुढलाडा मार्ग कड़ेल तिराहे से लेकर जाखल बस स्टैंड के आगे पंजाब सीमा तक करीब 2 किमी लंबा सड़क मार्ग अब जल्द ही नया व लगभग दो गुना चौड़ा होने जा रहा हैं। लोक निर्माण विभाग द्वारा इस मार्ग का निर्माण कार्य शुरू करवा दिया गया है। प्रशासनिक अधिकारियों की मानें तो तीन माह की समयाविधि में इस सड़क का निर्माण कार्य सम्पन्न कर दिया जाएगा। बता दें कि लोक निर्माण विभाग द्वारा 60 करोड़ रुपए से निविदा जारी कर सुरेवाला चौक से टोहाना के हरियाणा-पंजाब के बॉर्डर पर निर्माण किए जा रहे 30.14 किमी लंबा मार्ग मजबूत व चौड़ा करने की परियोजना में जाखल शहर से गुजरते उक्त करीब दो किमी लंबे मार्ग का नवनिर्माण व चौड़ीकरन किया जाना है। इस परियोजना के तहत कड़ेल तिराहे का कायाकल्प भी किया जाएगा। कड़ेल तिराहा हरियाणा-पंजाब की सीमा पर स्थित है। इसके एक तरफ पंजाब के संगरूर जिला की हद है तो दूसरी तरफ हरियाणा के फतेहाबाद जिला की हद लगती है। यह तिराहा सही न बनने के चलते आए दिन दुर्घटनाएं घटित होती हैं।

जाखल। चंडीगढ़-बुढलाडा मार्ग पर शुरू हुआ काम।

सड़क कम चौड़ी होने से उत्पन्न होती रहती है जाम की स्थिति

चंडीगढ़- बुढलाडा मार्ग पर जाखल शहर के बीच से गुजरने वाले वाहनों की संख्या की दृष्टि से उक्त सडक़ अपेक्षाकृत कम चौड़ी है। हरियाणा के जिला मुख्यालय की तरफ व राज्य के अन्य शहरों में आने जाने वाले अथवा पंजाब के मुनक, पातडा, पटियाला, चंडीगढ़ की तरफ आवाजाही करने वाले वाहन इस सडक़ से गुजरते हैं। फिलहाल यह सडक़ सिंगल लाइन होने से अक्सर यहां जाम की स्थिति उत्पन्न होती रहती है।

वाहन चालकों को मिलेगी बड़ी राहत

जाखल शहर के बीचो बीच में से गुजरते इस सडक़ मार्ग पर दिनभर शहरवासियों का आना जाना भी लगा ही रहता है। बाजार में जाना हो, सरकारी, अर्ध सरकारी, बैंक आदि स्थानों पर विभिन्न कार्य पर आना जाना हो तो शहरियों समेत ग्रामीण क्षेत्र के लोग भी इसी सडक़ से आवाजाही करते हैं। ऐसे में हरियाणा पंजाब के विभिन्न शहरों की तरफ आवागमन करने वाले छोटे बड़े वाहन भी इसी मार्ग से शहर से बाहर निकलकर हरियाणा पंजाब सीमा की तरफ निकलते हैं। इस स्थिति में शहर में स्थित इस मार्ग के करीब डेढ़ किमी के रास्ते को पार करने में वाहन चालकों का अधिक समय लग जाता है। इसी के मद्देनजर परियोजना में सरकार ने जाखल शहर से गुजरती इस करीब दो किमी सडक़ को बनाने की स्वीकृति दी है। इसके निर्माण के बाद वाहनों के निकलने के लिए अतिरिक्त एक लेन मिल जाएगी। इससे वाहनों की रफ्तार पर अचानक ब्रेक नहीं लगेगा और वाहन आसानी से निकाल सकेंगे।

क्या कहते हैं अधिकारी

जाखल में प्रस्तावित कड़ेल तिराहे से पंजाब सीमा तक करीब 2 किमी लंबी सडक़ मार्ग बनाने का कार्य शुरू करवा दिया गया है। सडक़ की चौड़ाई बढ़ाकर 33 फुट की जाएगी। इस सडक़ के नवनिर्माण व चौड़ीकरन कार्य होने से वाहन चालकों को बड़ी राहत मिलेगी। सडक़ का निर्माण कार्य पूरा होने में करीबन तीन माह का समय लगेगा।
अंकुर गर्ग, जेई लोक निर्माण विभाग टोहाना

दो किलोमीटर लंबी तो 33 फुट होगी सड़क की चौड़ाई

विभाग द्वारा जारी निविदा पत्र के मुताबिक जाखल शहर से गुजरते चंडीगढ़ बुढ़लाडा मार्ग की जो करीब दो किमी सडक़ का नवनिर्माण किया जाएगा, उसमें इस सडक़ की चौड़ाई 33 फुट की जाएगी है। इस सडक़ की मौजूदा स्थिति बयां करें तो सडक़ सिकुड़ कर लगभग 15 फुट ही रह गई है। सडक़ पर धूल मिट्टी जमा होने से सडक की चौडाई और भी कम हो गई है। मुख्य मार्ग होने के चलते इस सडक़ पर 24 घंटे यातायात का दबाव रहता है। मौजूदा समय से सडक़ की हालत इतनी खराब हो चुकी है कि सडक़ पर गड्ढे ही गड्ढे दिखाई दे रहे हैं। बारिश के दिनों में तो स्थिति और विकट हो जाती है।

सिरसा । पकड़े गए चोर गिरोह के सदस्य।

पुलिस ने चोर गिरोह का किया पर्दाफाश, चार आरोपी काबू

- शहर के विभिन्न हिस्सों में हुई सात वारदातें सुलझी, नगदी व आभूषण भी बरामद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

पुलिस ने विभिन्न स्थानों पर हुई चोरी की घटनाओं को सुलझाते हुए एक चोर गिरोह के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों ने करीब आधा दर्जन घटनाओं को अंजाम देने की बात कबूल की है। इस संबंध में जानकारी देते हुए शहर थाना सिरसा प्रभारी सत्यवान ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान विपिन कुमार पुत्र दुलीचंद, वीर सिंह पुत्र ओमप्रकाश, गोपी पुत्र राजेंद्र सिंह निवासी गांव पंजुआना तथा सगनप्रीत सिंह पुत्र जसवीर सिंह निवासी कोटकपूरा पंजाब के रूप में हुई है। थाना प्रभारी ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों ने पूछताछ के दौरान शहर सिरसा के नोहरिया बाजार, चत्तरगढ़ पट्टी प्रेम नगर क्षेत्र में हुई करीब 7 बारदातों को करना कबूल किया है। उन्होंने बताया कि आरोपियों से पूछताछ की जा रही है और पूछताछ के दौरान चोरी की अनेक वारदातों के बारे में खुलासा होने की संभावना से भी इंकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने बताया कि पकड़े गए आरोपियों की निशानदेही पर कुछ नगदी तथा सोना चांदी के जेवरात बरामद किया गया है। उन्होंने बताया कि शहर सिरसा में हुई इन चोरी की घटनाओं पर कड़ा संज्ञान लेते हुए पुलिस अधीक्षक विक्रांत भूषण ने शहर थाना सिरसा तथा सीआईए की विशेष पुलिस टीम का गठन किया गया था। थाना प्रभारी ने बताया कि गठित की गई पुलिस टीम ने जांच के दौरान महत्वपूर्ण सुराग जुटाए और घटना के चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। थाना प्रभारी ने बताया कि पकड़े गए आरोपियों ने बीती 23 जून की रात्रि को नोहरिया बाजार क्षेत्र में स्थित सेठ नंदलाल वाली गली में स्थित एक घर से लाखों रुपए की नगदी ,सोने- चांदी के जेवरात की चोरी की थी।

पौधरोपण को जीवन का हिस्सा बनाएं: नापा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रतिया

ग्राम पंचायत लाली में लीला मुनीम के नेतृत्व में गांववासियों के सहयोग से सरकारी व गैर सरकारी जगहों पर 500 पौधे लगाए गए। कार्यक्रम में मुख्यअतिथि के तौर पर रतिया के विधायक लक्ष्मण नापा ने भाग लिया और पौधारोपण कर ग्रामीणों से पर्यावरण संरक्षण की मुहिम से जुड़ने का आह्वान किया। विधायक ने कहा कि हर व्यक्ति को पौधारोपण को अपनी जिन्दगी का हिस्सा बना लेना चाहिए। आज के दौर में यदि हर व्यक्ति ने पौधारोपण पर ध्यान नहीं दिया तो आने वाली पीढ़ी के लिए भारी संकट हो सकता है। उन्होंने कहा कि गर्मी का निरंतर बढऩा, शुद्ध हवा में कमी यह सब बढ़ते पर्यावरण असंतुलन के कारण है। जितने ज्यादा पौधे लगाए जायेंगे, उतनी शुद्ध आक्सीजन हमे मिलेगी। इस अवसर पर मदन लाल पूर्व सरपंच, शर्मा चंद लाली जल संरक्षण अधिकारी, काशी राम नंबरदार, सतपाल पंवार पंच, सतपाल अटवाल पंच, महावीर पंच, डॉ. हंस राज, ओम प्रकाश कंबोज, महेश कुमार मैहता, राज कुमार, रमेश कुमार, विकास कुमार, पुन्नू राम, लक्ष्य बाटू, मुकेश कुमार, रोहित कुमार, प्रतीक कुमार, हिमांशु आदि ग्रामीण मौजूद थे।

रतिया। गांव लाली में पौधरोपण करते विधायक लक्ष्मण नापा।

स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने लगाए पौधे

- जिला के सभी खंडों में 7 हजार विभिन्न किस्म के फल व छायादार पौधे रोपित किए गए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

हरियाणा राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, फतेहाबाद के तहत गठित महिला स्वयं सहायता समूह की महिला सदस्यों द्वारा जिला के सभी खंडों में पौधारोपण किया। जिला के सभी खंडों में 7 हजार विभिन्न किस्म के फल व छायादार पौधे रोपित किए गए हैं। पौधारोपण करते हुए समूह सदस्यों ने इनकी देखभाल की जिम्मेदारी भी स्वयं ली है।

जिला कार्यक्रम प्रबंधक सतबीर सिंह ने पौधारोपण की शुरूआत करते हुए समूह की महिलाओं को पौधारोपण के महत्व व पर्यावरण संरक्षण के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि पौधारोपण के बाद निरंतर पौधों की देखभाल की जिम्मेदारी समाज के सभी नागरिकों की है। अगर हम सामुहिक रूप से अपनी जिम्मेदारी को निभाएंगे तो इससे हमारी आने वाली पीढ़ी को सामुहिक रूप से काम करने की सीख भी मिलेगी, जो हमारी संस्कृति है और हमारा पर्यावरण भी संरक्षित होगा।

उन्होंने कहा कि समूह से जुडक़र महिलाएं आर्थिक व सामाजिक तरक्की तो कर ही रही हैं साथ ही सामुहिक रूप से पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का साकारात्मक संदेश दे रही हैं। डीपीएम ने बताया कि आज जिला के सभी सातों खंड में समूह की महिलाओं द्वारा पौधारोपण किया गया है। उन्होंने बताया कि समूह की महिलाएं अपने कीचन गार्डन में भी फलदार व अन्य औषधिय पौधे लगाकर स्वच्छ फल अपने व अपने परिवार के लिए प्राप्त कर सकती हैं। इस मौके पर समूह की अनेक महिलाएं मौजूद रहीं।

फतेहाबाद। हरियाणा राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तत्वावधान में पौधारोपण करती स्वयं सहायता समूह की महिलाएं।

दाखिले के लिए दूसरे चरण की परीक्षा आयोजित

- एचएयू के विभिन्न कोर्सों के लिए 3886 परीक्षार्थियों ने दी प्रवेश परीक्षा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्नातक व स्नात्तकोतर कोर्सिज की दूसरे चरण की प्रवेश परीक्षा शांतिपूर्वक संपन्न हुई। यह परीक्षा बीएफएससी चार वर्षीय कोर्स, बीएससी एग्रीकल्चर छः वर्षीय कोर्स, एमएससी एग्रीकल्चर, एमटैक एग्रीकल्चरल इंजिनियरिंग, एमएफएससी कोर्स, एमएससी कोम्युनिटी साइंस कोर्सिज में दाखिले के लिए आयोजित की गई थी। विश्वविद्यालय की ओर से परीक्षा को सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न करवाने के लिए पुख्ता प्रबंध किए गए थे। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बलवान सिंह मंडल ने रविवार को हुई परीक्षा के दौरान केंद्रों का दौरा करते हुए परीक्षार्थियों की सुविधा व परीक्षा के सुचारू संचालन के लिए की गई व्यवस्थाओं का भी जायज़ा लिया। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढींगडा, अधिष्ठता कृषि महाविद्यालय डॉ. एसके पाहुजा, अधिष्ठता सामुदायिक वज्ञिान महाविद्यालय डॉ. बीना यादव व एसवीसी कपिल अरोड़ा उपस्थित रहें। इस परीक्षा के लिए विश्वविद्यालय सहित हिसार शहर में 12 परीक्षा केन्द्र बनाए गए थे। परीक्षा के सफल आयोजन के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से विशेष निरीक्षण दलों का भी गठन किया गया था, जन्होनें सभी केन्द्रों पर जाकर निरीक्षण किया।

परीक्षा नियंत्रक डॉ. पवन कुमार ने बताया कि उपरोक्त पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए कुल 4294 विद्यार्थियों ने ऑनलाइन आवेदन किया था। सभी परीक्षा केंद्रों में कुल 3886 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। इस परीक्षा में परीक्षार्थियों की 90.50 प्रतिशत उपस्थिति दर्ज की गई। उन्होंने उम्मीदवारों व उनके अभिभावकों से अपील की है कि वे उपरोक्त स्नातक व स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में दाखिला संबंधी नवीनतम जानकारियों के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अवश्य चेक करते रहें।

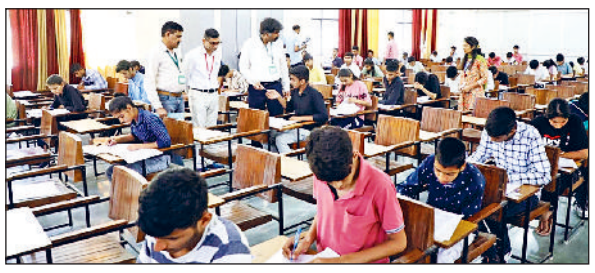

हिसार। कुलसचिव डॉ. बलवान सिंह मंडल परीक्षा केंद्र का निरीक्षण करते हुए।

राजगढ़िया ने जू-जुत्सु में जीता गोल्ड

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

शहर के सेठ तुलाराम धर्मशाला में जिला जू-जुत्सु एसोसिएशन द्वारा आयोजित तीसरी जिला स्तरीय जू-जित्सु चैंपियनशिप-2024 में सिरसा के सार्थक राजगढ़िया पुत्र दीपक राजगढिया ने अपने शानदार पंच का इस्तेमाल कर गोल्ड मैडल पर कब्जा कर अपने अभिभावकों व जिले का नाम रोशन किया। बेटे की सफलता पर परिजनों ने मुंह मीठा करवाकर उसे बधाई दी और भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। सार्थक के पिता दीपक राजगढ़िया ने बताया कि सार्थक अभी जीडी गोयनका स्कूल में चौथी कक्षा में पढ़ाई कर रहा है।

उन्होंने बताया कि करीब डेढ़ साल पूर्व सार्थक की इस गेम के प्रति रूचि को देखकर उन्होंने सिरसा में ही इस गेम का प्रशिक्षण देने वाली एकेडमी में प्रशिक्षण शुरू करवाया था। प्रशिक्षक राजकुमार वर्मा के सान्निध्य में सार्थक ने खूब मेहनत की और मेहनत के बलबूते ही उसने रविवार को सिरसा में हुई जिला स्तरीय जू-जुत्सु चैंपियनशिप में अपनी प्रतिभा का खुलकर प्रदर्शन किया और गोल्ड मैडल जीतकर अभिभावकों की अपेक्षाओं पर खरा उतरने का काम किया। सार्थक के प्रशिक्षक राजकुमार वर्मा ने बताया कि इतनी कम उम्र में भी सार्थक में इस गेम के प्रति बेहद रूचि है और वह बहुत मेहनत भी करता है। उन्होंने जू-जुत्सु गेम बारे बताया कि यह जापान की एक सैन्य कला है। यह शस्त्र तथा कवच धारण किए हुए शत्रु से बिना हथियार पास से लडक़र पराजित करने की विद्या है। जैसे भारत में कुश्ती और यूरोप में मुक्केबाजी की प्रथा है वैसे ही जापान में जू-जुत्सु की प्रथा है। भारत में भी यह गेम काफी प्रचलित हो रहा है।

सिरसा। मेडल के साथ सार्थक राजगढ़िया।

हिसार। विजेता छात्राओं को सम्मानित करते मुख्याध्यापक व क्लब इंचार्ज।

राजकीय कन्या उच्च विद्यालय खेदड़ में हुई प्रतियोगिताएं

बरवाला। राजकीय कन्या उच्च विद्यालय खेदड़ के प्रांगण में लीगल लिटरेसी क्लब के तहत विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताएं निबंध, स्लोगन, भाषण, प्रश्नोत्तरी, वाद विवाद व कविता आदि करवाई गई। इन प्रतियोगिताओं में विद्यालय की छात्राओं ने बढ़ चढ़कर भाग लेकर अपने-अपने दिमागी कौशल का परिचय दिया। स्कूल के मुख्याध्यापक रमेश कुमार ने उपस्थित छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि कानूनी जागरूकता व साक्षरता के प्रचार के लिए लीगल लिटरेसी क्लब बेहद ही उपयोगी है। इसके माध्यम से छात्र-छात्राएं कानून की जानकारी ले सकते हैं। मुख्याध्यापक रमेश कुमार ने राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के बारे में जानकारी दी। लीगल लिटरेसी क्लब के इंचार्ज राजेश कुमार ने भी लीगल लिटरेसी के बारे में वस्तिार से बताया। इन प्रतियोगिताओं के प्रथम और द्वितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त छात्राओं को मुख्याध्यापक रमेश कुमार व क्लब इंचार्ज राजेश कुमार ने सम्मानित किया। इस अवसर पर विद्यालय स्टाफ के सभी सदस्यगण रेनू, सीमा रानी, रीना, देवेन्द्र, शक्ति सिंह, स्वीटी व बृजमोहन आदि मौजूद रहे।

बढ़ रही चोरी, लूट, डकैती जैसी घटनाओं पर अंकुश लगाने की मांग

नशे के खिलाफ लोग लामबंद, चौटाला में प्रदर्शन आज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| डबवाली

चिट्टा, ड्रग्स और मेडिकल नशे पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने व लगातार बढ़ रही चोरी, लूट, डकैती जैसी घटनाओं पर अंकुश लगाने की मांग को लेकर 15 जुलाई को चौटाला चौकी के बाहर बड़ा प्रदर्शन करने के लिए क्षेत्र के लोग पूरी तरह से लामबंद हो चुके हैं। इस आंदोलन के माध्यम से लोग पुलिस को नशा तस्करों के खिलाफ ठोस कार्रवाई करने के लिए मजबूर कर देंगे। यह बात किसान नेता राकेश फगोड़िया ने रविवार को पत्रकारों से बातचीत करते हुए कही। उन्होंने पुलिस को स्पष्ट शब्दों में चेताया कि वह आंदोलन को दबाने के प्रयासों को छोड़ दे और अपनी सही भूमिका निभाए। पुलिस एक दिन के लिए ही पुलिस बनकर अपनी ताकत दिखा दे तो मजाल है इस इलाके में एक भी नशा तस्कर दिखाई दे जाए।

- 20 गांवों में जनसंपर्क अभियान चलाकर आंदोलन में पहुंचने का आह्वान किया

सिरसा । पत्रकारों से बातचीत करते किसान नेता राकेश फगोड़िया।

नशे से गई 8 नौजवान बच्चों की जान

सैकड़ो नौजवानों की मौत के बाद आज भी शासन प्रशासन नशे के खात्मे के लिए गंभीर नहीं है। पिछले 15-20 दिन में ही नशे के कारण 8 नौजवान बच्चों की जान गई है। ये जो मौत हो रही है वह भी सारी आंकड़ों में दर्ज नहीं होती। लोग मामले भी दर्ज नहीं करवाते। वहीं, चोरी, डकैती व लूटपाट की घटनाएं सरेआम हो रही हैं और इसके पीछे भी नशा ही मुख्य कारण है। शासन प्रशासन व पुलिस बदमाशों व चिट्टा तस्करों के सामने इतने मजबूर हैं कि आंदोलन की चेतावनी के बावजूद एक भी बड़े तस्कर के खिलाफ इन्होंने कार्रवाई नहीं की। पुलिस टीम गठित करती है और सूचना लीक कर देती है जिसके बाद नशा बेचने वाले नशे को गायब कर देते हैं। असल नशा तस्करों पर तो पुलिस ने छापेमारी तक नहीं की। पुलिस व ड्रग विभाग ने जिन 10 मेडिकल स्टोरों पर कार्रवाई उन पर भी पुलिस को कुछ नहीं मिला, इसलिए यह कार्रवाई भी खानापूर्ति दिखाई दे रही है। पुलिस नशा तस्करों पर कार्रवाई करने की बजाय आंदोलन को कुचलने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि पुलिस अगर दमन करेगी तो इस आंदोलन को ओर बड़ा रूप देने से लोगों को रोक नहीं पाएगी। सोमवार को चौटाला पहुंचकर चौकी का घेराव करते हुए जोरदार प्रदर्शन करेंगे। सभी वर्गों के लोग हर घर से लोग धरने प्रदर्शन में शामिल होंगे। सभी संस्थाओं व राजनीतिक दलों के लोगों से भी अपील है कि वे युवाओं को नशे से बचाने के लिए छेड़े गए इस आंदोलन में सहयोग करेंगे।

राकेश फगोड़िया ने बताया कि उन्होंने चौटाला एवं आसपास के 20 गांवों में जनसंपर्क अभियान चलाकर ग्रामीणों को चौकी घेराव आंदोलन में पहुंचने का आह्वान किया है। बढ़ते नशे के कारण ग्रामीणों में पुलिस की कार्यप्रणाली व राज्य सरकार के खिलाफ के खिलाफ तीव्र रोष पाया जा रहा है।

खबर संक्षेप

जाखल में महिला से छीना झपटी का प्रयास

फतेहाबाद। जाखल में महिला के साथ छीना झपटी का प्रयास करने का मामला सामने आया है। इस बारे पीड़ित महिला ने पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई है। पुलिस को दी शिकायत में ब्यास कालोनी जाखल निवासी परमजीत कौर ने कहा है कि वह झाड़ू पोचा का काम करती है। गत दिवस दोपहर को वह प्रतिदिन की तरह काम करके घर आ रही थी।

गतका चैम्पियनशिप के लिए ट्रायल 16 को

फतेहाबाद। गतका एसोसिएशन ऑफ हरियाणा द्वारा दूसरी राज्यस्तरीय हरियाणा गतका चैम्पियनशिप 20 व 21 जुलाई को गांव कमाना, रतिया में आयोजित की जाएगी। गतका खेल नैशनल गेम्स,, खेलों इंडिया गेम्स, यूनिवर्सिटी गेम्स व स्कूली गेम्स में शमिल हो गया है। गतका खेल की अब ग्रेडिंग हो चुकी है जिससे गतका खिलाड़ी सरकारी नौकरी के पात्र होंगे। हरियाणा के सभी जिलों से गतका खिलाड़ी राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेंगे।

श्री श्याम बाबा जी की मूर्ति स्थापना आज

फतेहाबाद। श्री श्याम मंदिर बड़ोपल द्वारा भक्तजनों के सहयोग से मंदिर में 15 जुलाई को श्री श्याम बाबा जी की मूर्ति स्थापना, संकीर्तन और भंडारे का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम में श्री बाबा तारा जी कुटिया सिरसा के मुख्य सेवक गोबिंद कांडा मुख्य अतिथि होंगे। श्री श्याम मंदिर बड़ोपल के प्रवक्ता ने यह जानकारी देते हुए बताया कि यह समारोह 11 जुलाई से शुरू हो चुका है जो 15 जुलाई तक आयोजित किया जाएगा। 11 जुलाई को सुबह 10 बजे पूजा अर्चना की गई। इसके अलावा 14 जुलाई को सायं शोभायात्रा का आयोजन किया गया।

रोडवेज बस की टक्कर में घायल किसान की मौत

फतेहाबाद। गांव ढाण्ड के समीप रोडवेज बस और मोटरसाइकिल के बीच हुई टक्कर में घायल हुए किसान ने जख्मों का ताव न सहते हुए हिसार के निजी अस्पताल में दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में गांव ढाण्ड निवासी सुरेन्द्र कुमार ने कहा है कि उसके पिता छोटूराम गत दिवस अपने मोटरसाइकिल पर सवार होकर बीघड़ रोड स्थित खेत से वापस घर आ रहे थे। जैसे ही वे गांव के पास मोड़ पर पहुंचे तो सामने से आ रही हरियाणा रोडवेज फतेहाबाद डिपो की बस ने बाइक को टक्कर मार दी।

पशुओं का घर पर होगा निः शुल्क उपचार

रतिया। पशु पालकों को अब जरूरत पडऩे पर उनके घर पर ही पशुओं को प्राथमिक उपचार मिल पाएगा। फतेहाबाद जिले में 4 मोबाइल वेटेरिनरी वैन अलॉट हुई है जिनको फतेहाबाद, टोहाना, भट्टू कलां और रतिया खंड में तैनात किया गया है। धनुष हेल्थकेयर के क्लस्टर मैनेजर सुनील ने बताया कि प्रदेशभर में कुल 70 मोबाइल वेटेरिनरी वैन अलॉट हुई है। इन मोबाइल वेटेरिनरी वैन से समन्वय हेतु हिसार में कॉल सेंटर स्थापित किया गया है।

मोटर साइकिल चोरी मामले में दो काबू

फतेहाबाद। भूना थाना पुलिस ने मोटर साइकिल चोरी की वारदात को सुलझाते हुए दो आरोपियों को काबू करके उनके कब्जे से चोरी किया मोटर साइकिल बरामद करने में सफलता प्राप्त की है। इस संबध में भूना थाना प्रभारी एसआई शादीराम ने बताया कि 10 जुलाई को पुलिस ने गांव सनियाना निवासी विक्की पुत्र रामकिशन की शिकायत पर मोटरसाइकिल चोरी बारे केस दर्ज किया था। विक्की ने कहा था कि अज्ञात चोर उसके घर के बाहर खड़ी उसकी बाईक को चोरी कर ले गए है। इस मामले में पुलिस ने तत्परता से कार्रवाई करते हुए हेड कांस्टेबल बुधराम के नेतृत्व में टीम गठित की थी। दोनों आरोपियों की पहचान जगतपाल व संदीप के रूप में हुई हैं।

अमृत सिद्धि, सर्वार्थि सिद्धि और रवि पुष्य योग भी

सावन मास में इस बार पांच सोमवार का संयोग

हरिभूमि न्यूज ▸▸ फतेहाबाद

सावन मास की शुरूआत शिव शंकर भोलेनाथ की अराधना से शुरू होती है। पवित्र सावन मास की शुरूआत इस बार 22 जुलाई को हो रही है। इस दिन कृष्ण पक्ष की एकम है और वार भी भगवान भोले का मनपसंद सोमवार है। इस बार सावन मास में 5 सोमवार पड़ेंगे। समापन भी सोमवार शुक्ल पक्ष पूर्णिमा को 19 अगस्त को होगा। इस बार सावन मास 29 दिन का रहेगा, जिसमें 14 दिन कृष्ण पक्ष के जबकि 15 दिन शुक्ल पक्ष के होंगे। सावन के महीने में सोमवार का दिन विशेष माना जाता है।

यदि सोमवार को जल चढ़ाकर या व्रत रखकर भोलेनाथ की पूजा की जाए तो तुरंत सुख की प्राप्ति होती है। शहर के प्रमुख ज्योतिष पंडित राजेश शर्मा ने बताया कि सावन मास में 5 सोमवार का आना और पहले दिन व अंतिम दिन सोमवार होना शुभ संकेत है। यही नहीं, सावन कृष्ण पक्ष का प्रारंभ सोमवार से और श्रावण शुक्ल पक्ष का प्रारंभ भी सोमवार से ही होगा। आखरी सोमवार को पूर्णिमा तिथि के साथ रक्षाबंधन पर्व का संयोग भी रहेगा।

श्रावण माह में पांच सोमवार होने से आमजन के लिए धन-धान्य सुख-समृद्धि कारक है।

29 दिन, अमृत सिद्धि, रवि सहित 9 शुभ योग

पंडित राजेश शर्मा के अनुसार ज्योतिष में विषय संख्या का काफी महत्व है। जैसे 5 सोमवार का होना या 29 दिनों का माह होना और इसके साथ ही 9 योग का होना अति शुभ है। सावन मास भी शिव का ही महीना है। ऐसे में इसी माह में 5 सोमवार होना संयोग से कम नहीं है। क्योंकि सामान्य तौर पर हर माह एक बार 5 बार और बाकी 4 बार आते हैं। दूसरी ओर, इस माह राजयोग, कुमार योग, दुग्ध योग, अमृत सिद्धि योग, व्रज मूसल योग, स्थिर योग, रवि योग, राजयोग और सिद्धि योग आदि 9 योग भी रहेंगे।

तिथियों पर एक नजर

सोमवार - तिथि - तारीख
पहला - एकम - 22 जुलाई
दूसरा - नवमी - 29 जुलाई
तीसरा - एकम - 05 अगस्त
चौथा - सप्तमी - 12 अगस्त
पांचवा - पूर्णिमा - 19 अगस्त

ग्रहों के नक्षत्र परिवर्तन भी इसी माह में

पंडित राजेश शर्मा ने बताया कि सावन मास में ग्रहों के नक्षत्र परिवर्तन भी होंगे। मंगल ग्रह का रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश होगा। गुरु भी रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करेंगे। शुक्र मघा नक्षत्र में प्रवेश करेंगे। सूर्य अश्लेषा नक्षत्र में प्रवेश करेंगे। 16 जुलाई को सूर्य मघा नक्षत्र में और शनि पूर्वाभाद्रपद नक्षत्र के पहले चरण में प्रवेश करेंगे।

सावन में ये शुभ संयोग

इस बार सावन मास बहुत खास रहने वाला है। सावन मास के कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा से मूल रूप से सावन की शुरुआत मानी जाती है। हालांकि शास्त्रीय मान्यता में आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा से ही सावन का आरंभ हो जाता है, किंतु पक्ष काल की गणना से देखें तो 22 जुलाई सोमवार के दिन श्रवण नक्षत्र में प्रीति योग के संयोग में मकर राशि के चंद्रमा की साक्षी में श्रावण मास का आरंभ होगा। इस माह में अमृत सिद्धि, सर्वार्थ सिद्धि और रवि पुष्य का भी संयोग बन रहा है।

इस बार सावन मास में चार नहीं पांच सोमवार होंगे। यही नहीं इसकी शुरुआत सोमवार तो समाप्ति भी सोमवार को होगी। इस बीच कई शुभ संयोगों में भगवान शिव की आराधना होगी।

शिव आराधना से करें संकल्पों की सिद्धि

पंडित राजेश शर्मा के अनुसार सावन मास में भगवान शिव की आराधना करने से मनोरथ सिद्ध होते हैं। पूरे मास पर्यंत शिव कथा, लीला, अमृत का पारायण या शिव महापुराण का पारायण, शिव स्तोत्र के पाठ, शिव कवच या महामृत्युंजय की साधना आराधना करने से मन, बुद्धि, शरीर का रोग, दोष समाप्त होता है। उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु की प्राप्ति होती है।

चूरापोस्त सहित आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▸▸ फतेहाबाद

फतेहाबाद। पुलिस गिरफ्त में डोडा पोस्त सहित पकड़ा गया युवक।

- पुलिस टीम ने शक के आधार पर गुलशन को रोका, जब उसकी तलाशी ली तो उसके पास से 5 किलोग्राम चूरा पोस्त मिला

जिला पुलिस द्वारा चलाये जा रहे नशा मुक्त अभियान के तहत फतेहाबाद पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 5 किलोग्राम कचरा डोडा पोस्त बरामद किया है। पकड़े गये आरोपी तस्कर की पहचान गुलशन कुमार पुत्र रमेश निवासी अलीकां के रूप में हुई है। इस बारे जानकारी देते हुए एवीटी स्टाफ प्रभारी रिछपाल सुरतिया ने बताया कि नशा मुक्त अभियान के तहत एएसआई भूपेन्द्र सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम गश्त पर थी। इस दौरान पुलिस टीम गुप्त सूचना के आधार पर गांव मलवाला से अलीकां रोड पर करीब 1 किलोमीटर चली थी कि सामने से एक युवक अपने हाथ में कट्टा लिए हुए दिखाई दिया। उक्त युवक पुलिस की गाड़ी को देखकर घबरा गया और वापिस मुडक़र भागने लगा। पुलिस टीम ने शक के आधार पर पीछा कर उसे काबू कर लिया और पूछताछ की तो उसने अपना नाम गुलशन बताया। पुलिस ने जब उसकी तलाशी ली तो उसके पास से 5 किलोग्राम कचरा डोडा पोस्त बरामद हुआ। पुलिस ने युवक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ थाना सदर रतिया में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है।

सोशल मीडिया पर हथियारों सहित फोटो पोस्ट करने पर कार्रवाई

फतेहाबाद। जिला पुलिस अधीक्षक आस्था मोदी ने सोशल मीडिया पर हथियारों सहित फोटो पोस्ट करने वालों पर सख्त कार्रवाई के आदेश दे रखे है। एसपी के आदेशों के बाद जिला पुलिस ऐसे मामलों में तेजी से कार्रवाई कर रही है। सोशल मीडिया पर विभिन्न हथियारों का प्रदर्शन करने पर जिला पुलिस ने गांव महमदकी के एक युवक के खिलाफ शस्त्र अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। इस बारे थाना सदर रतिया के एएसआई अमित कुमार को सूचना मिली थी कि रतिया के गांव मेहमदकी के रहने वाले तलविन्द्र सिंह ने अपने सोशल मीडिया प्लेट फार्म इंस्टाग्राम पर हथियारों के साथ फोटो अपलोड किए गए हैं।

युवती के ब्लाइंड मर्डर मामले में तीन और आरोपी गिरफ्तार

फतेहाबाद। करीब पांच महीने पहले घग्घर नदी में बोरी में मिली युवती के शव के मामले में पुलिस ने 3 ओर लोगों को गिरफ्तार किया है। ब्लाइंड मर्डर के इस मामले में मुख्य आरोपी रामफल फौजी को पुलिस ने शनिवार को गिरफ्तार कर लिया था। उससे पूछताछ के आधार पर पुलिस टीम ने अन्य 3 आरोपियों को काबू करने में सफलता हासिल की है। पकड़े गये तीनो आरोपियों की पहचान बूटा सिंह उर्फ पोपली पुत्र काला सिंह, जगदीश उर्फ बुटा सिंह उर्फ खान पुत्र अमरीक सिंह व सागर सिंह पुत्र जगबीर सिंह निवासी वार्ड नंबर 3 रतिया के रूप में हुई है। बता दें कि 15 फरवरी को रतिया में घग्घर नदी में एक बोरी में अज्ञात युवती का शव बरामद हुआ था। पुलिस ने युवती के शव को को पहचान के लिये डेड हाउस में रखवा दिया था। उस समय लडकी की पहचान नहीं हो पाई थी। थाना रतिया शहर पुलिस ने इस मामले में 15 फरवरी को हत्या के आरोप में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी थी। बाद में युवती के शव की पहचान गौसा पुत्री जस्सा सिंह वासी मघेडा के रूप में हुई। उसके परिजनों ने 4 फरवरी को टोहाना में उसकी गुमशुदगी बारे केस दर्ज करवाया था। इस मामले में अहम सुराग जुटाते हुए पुलिस ने गत दिवस रामफल फौजी को गिरफ्तार किया और पुलिस रिमांड पर लिया था। रिमांड के दौरान रामफल पूछताछ में खुलासा हुआ था।

डॉ. जाखड़ को मिला ग्लोबल आइकन अवार्ड

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भूना

भूना। विश्वविद्यालय के कुलपति शमीम अहमद के साथ डॉ. मंजीत जाखड़।

गांव बैजलपुर निवासी एवं एनआईआईएलएम यूनिवर्सिटी कैथल के परीक्षा नियंत्रक मनजीत सिंह जाखड़ को ज्ञान ग्लोबल फाउंडेशन कोटा राजस्थान ने ग्लोबल आइकन अवार्ड से सम्मानित किया। इसके बाद डॉ. मंजीत सिंह के गांव बैजलपुर में उनके परिजनों एवं दोस्तों ने मिठाइयां बांटकर खुशी का इजहार किया। ज्ञान ग्लोबल फाउंडेशन ने देश के विभिन्न विश्वविद्यालय में परीक्षा नियंत्रक के रूप में उत्कृष्ट सेवाएं देने के चलते एक सर्वे किया था, जिसमें डॉक्टर मंजीत सिंह जाखड़ की कार्य शैली एवं परीक्षा नियंत्रक में विशेष प्रबंध किए जाने के चलते ज्ञान ग्लोबल फाउंडेशन ने राजस्थान के कोटा में आयोजित समारोह में विशेष अवार्ड देकर सम्मानित किया। उपरोक्त उपलब्धि के चलते विश्वविद्यालय के कुलपति शमीम अहमद ने भी कैथल पहुंचने पर डॉ. मनजीत जाखड़ को बधाई दी। बता दें कि इससे पहले भी बैजलपुर निवासी डॉ. जाखड़ भूना क्षेत्र में शिक्षा को लेकर अपना बहुमूल्य योगदान देते रहे हैं। गांव के सरपंच हेमंत बैजलपुरिया, अजय रेवड़ी, सुभाष बिश्नोई, जसबीर सिंह बेनीवाल, वीरेंद्र शर्मा, कृष्ण धारणिया, जियालाल बंसल, धर्मपाल गोयल, कैलाश शर्मा, दीपक नारंग आदि ने डॉ. मनजीत सिंह को राष्ट्रीय स्तर पर ज्ञान ग्लोबल फाउंडेशन द्वारा बेहतर सेवाओं को लेकर सम्मान स्वरूप अवार्ड देने पर बधाई दी।

मोहित शर्मा ने की न्याय चौपाल की शुरूआत

हरिभूमि न्यूज ▸▸ सिरसा

सिरसा। गांव नटार में ग्रामीणों को संबोधित करते मोहित शर्मा।

गांव नटार से न्याय चौपाल कार्यक्रम की शुरूआत करते हुए कांग्रेस नेता मोहित शर्मा न कहा कि उनका मुख्य मकसद सिरसा का चौतरफा विकास करने के साथ साथ जनमानस की समस्याओं का स्थायी समाधान करने का है। जनसभा के दौरान मोहित ने ग्रामीणों को कांग्रेस का घोषणा पत्र सुनाया और सुझाव भी मांगे।

सरकार पर जड़े आरोप

वहीं 'हरियाणा मांगे हिसाब' अभियान के तहत कांग्रेस द्वारा भाजपा से पूछे गए 15 सवाल भी गिनवाए। मोहित शर्मा व राजेश शर्मा ने लोकसभा चुनाव में कांग्रेस की शानदार जीत के लिए ग्रामीणों का धन्यवाद किया और आगामी विधानसभा चुनाव में भी इसी तरह सहयोग व समर्थन की अपील की। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि प्रदेश में आने वाला वक्त कांग्रेस का है। भाजपा जनता का भरोसा खो चुकी है और लोगों को बरगलाने के लिए तरह तरह के हथकंडे अपनाए जा रहे है। उन्होंने कहा कि भाजपा चाहे लाख जतन कर ले, लेकिन इस बार जनता उसे सत्ता के सिंहासन से उतारकर ही दम लेगी।

इस मौके पर राकेश सरपंच नटार, अजय कुमार ब्लॉक मैंबर, डा. जोगिन्द्र मैंबर, अशोक मैंबर, मुख्तयार सिंह, रामकिशन, जसबीर सिंह, गेजा सिंह, रामचंद, बिन्दी सरपंच, पूर्ण चंद, कृष्ण लाल, लालचंद ठेकेदार, गुलशन कम्बोज, लक्की, हरीश कुमार, गुरमीत, दलीप चंद, लवीश, सुनील, अंकुर, निशु के अलावा मोहित के साथ राजकुमार चन्दा, सुनील बोमरा, कृष्ण टोकसिया, अमित यादव, रिंकू ठाकुर, रामू लढा, मोहित मेहता, हरविन्द्र सिंह, रिंकू शर्मा, जतिन रविदासिया आदि मौजूद थे।

आजीविका मिशन ने चलाया पौधारोपण अभियान

सिरसा। गांव खैरेकां में सेल्फ हैल्प ग्रुरप की महिलाओं ने मिलकर पौधारोपण अभियान चलाया। इस दौरान ग्रुरप ब्लॉक कलस्टर कोर्डिनेटर सुमन ने गांव में महिलाओं व बच्चों के साथ मिलकर सैकड़ों अलग-अलग किस्म के फलदार, छायादार व औषधीय पौधे लगाए। इस मौके पर ब्लॉक कलस्टर कोर्डिनेटर सुमन ने कहा कि अधिक से अधिक पौधारोपण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। पर्यावरण का बदलता स्वरूप मानव जीवन के लिए अनेक प्रकार की मुसीबतें खड़ी कर रहा है। उन्होंने कहा कि आए दिन भूकंप, प्राकृतिक आपदाएं, भूस्खलन जैसी घटनाएं हो रही।

बिजली कट से परेशान किसानों ने दिया धरना

हरिभूमि न्यूज ▸▸ डिंग

सिरसा। डिंग विद्युत निगम में धरना देकर नारेबाजी करते किसान।

विद्युत निगम द्वारा लगाए गए कटों से परेशान क्षेत्र के ग्रामीणों ने डिंग विद्युत निगम कार्यालय में धरना देकर नारेबाजी की। किसानों ने कहा कि धान की फऊसल बोई गई है लेकिन विद्युत कट से भारी परेशानी हो रही है।

ये बोले किसान

किसान भीमसेन झोरड़, रायसिंह मईया, रघुवीर झोरड़, राजेंद्र ताजिया, भागीरथ मईया, बहादुर मईया, राजेश भईया, सुरेश दुसाद, अजब गोदारा आदि ने बताया कि अधिकांश मोचीवाली रूरल लाइन में विद्युत कट लग रहे हैं जिससे किसानों को भारी परेशान हो रही है क्योंकि यह लाइन सडक़ के किनारे होकर गुजरती है जिससे वृक्षों के करण शार्ट सर्किट होते रहते हैं। इसके अलावा सभी फील्ड लाइनों में कट लग रहे हैं जिसको लेकर नाराज किसानों ने शनिवार शाम को विद्युत निगम में धरना देकर प्रशासन से मांग की है। किसानों कहा कि पूरे आठ घंटे समय पर किसानों को विद्युत की सप्लाई दी जाए ताकि फसलों को नुकसान न हो। वहीं विद्युत निगम के कर्मचारियों ने बताया कि बीते 5 जुलाई को सिटी ब्लास्ट होने के कारण सभी लाइनों को बंद किया था जिसके पश्चात दो ट्रांसफार्मरां द्वारा सप्लाई की जाती है लेकिन आपातकाल स्थिति को देखते हुए एक ट्रांसफॉर्मर को कट कर दोनों की बजाय एक ट्रांसफॉर्मर पर विद्युत सप्लाई छोड़ी गई थी जिससे ट्रांसफार्मर पर ओवरलोड होने पर सभी लाइनों को बराबर कट लगाकर सप्लाई छोड़ी जा रही है, लेकिन जल्द ही दोनों ट्रांसफार्मर की सप्लाई छोड़ी जाएगी जिसके पश्चात ऐसी कोई परेशानी नहीं होगी।

भाजपा राज में नशे में डूबा प्रदेश का युवा : गुप्ता

सिरसा। पत्रकारों से बातचीत करते आप प्रदेशाध्यक्ष सुशील गुप्ता।

- कहा : नशे के सौदागरों पर लगाम लगाने में नाकाम रही सरकार, नशा मुक्ति

हरिभूमि न्यूज ▸▸ सिरसा

आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सुशील गुप्ता ने बीजेपी ने हरियाणा की तस्वीर बहुत डरावनी बना दी है। प्रदेश के 22 जिलों में से 16 जिले बुरी तरह नशे की चपेट में हैं, जिसमें सिरसा पहले नंबर पर है। नशे के कारण हो रही मौत के मामले थम नहीं रहे हैं। नशे की ओवरडोज के कारण एक के बाद एक युवक मौत को गले लगाता जा रहा है। सुशील गुप्ता रविवार को कार्यकर्ताओं की बैठक लेने के बाद सिरसा में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पूरा शहर नशे की गिरफ्त में है और गांव तक नशा पहुंच चुका है। कहीं सिंथेटिक नशा तो कहीं चिट्टे का नशा पहुंच चुका है।

हरियाणा सरकार नशा रोकने में पूरी तरह से फेल हुई है। बीजेपी सरकार न तो नशे की चेन को तोड़ पा रही है, न ही सरकार ने युवाओं का नशा छुड़वाने के लिए और न ही नौकरी के लिए कोई ठोस इंतजाम किया है। हरियाणा में एनसीबी और नशा मुक्ति केंद्र में सभी पद खाली पड़े हैं। जहां पर किसी का सही से इलाज नहीं होता। इसकी वजह से आज पूरे हरियाणा में हेरोइन, चर्स, सुल्फा, गांजा और अफीम खुलेआम बिक रहा है। जिस पर कोई रोक टोक नहीं है।

खुलेआम बिक रहे नशीले पदार्थ

उन्होंने कहा कि इसके अलावा हरियाणा में अवैध रुप से दवाइयां और नकली शराब खुलेआम बिक रही हैं। गांव में एकांत जगह पर इंजेक्शन की सीरिंज पड़ी हुई मिलती हैं। अब हरियाणा में युवकों के साथ साथ नशे करने वाली महिलाओं की तादात भी बढऩे लगी है। 2021 में नशा करने वाले लगभग 95,863 लोग अस्पताल की ओपीडी में पहुंचे थे, जिसमें से 28,283 महिलाएं थी। 2022-23 और 2024 में इनकी संख्या में लगातार 100 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने कहा कि सिरसा में नशा बेचने वालों पर पुलिस कार्रवाई नहीं कर रही है। शिव चौक पर स्थानीय लोगों ने स्टिंग किया और नशा बेचने वालों को पकड़ा। यदि पुलिस कार्रवाई करती तो स्थानीय लोगों को खुद स्टिंग नहीं करना पड़ता। सिरसा में नशे के साथ साथ मेडिकल सुविधाओं की भी भारी कमी है। सिरसा में पीने के लिए नहरी पानी की व्यवस्था नहीं है, इसलिए जमीन से पानी लेना पड़ता है। जिसकी वजह से पूरे क्षेत्र में कैंसर और काला पीलिया फैल रहा है। रानिया विधानसभा के केवल एक गांव सादेवाले में कैंसर के 70 से ज्यादा मरीज हैं, वहीं पनगिरी गांव में काला पीलिया के 25 से ज्यादा मरीज हैं। इनको इलाज के लिए भी राजस्थान और पंजाब जाना पड़ता है। उन्होंने कहा कि सिरसा में एक मेडिकल कॉलेज बनना था। उस मेडिकल कॉलेज की नींव राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 22 नवंबर 2022 को रखी थी, लेकिन हुआ कुछ नहीं।

निर्दलीय उम्मीदवार उतारने की दी चेतावनी

सिख समाज ने की बीस सीटें देने की मांग

हरिभूमि न्यूज ▸▸ फतेहाबाद

फतेहाबाद। बैठक में पहुंचे सिक्ख समाज के प्रतिनिधि।

हरियाणा में विधानसभा चुनाव से पहले अब सिक्ख समुदाय भी आगे आया है। सिक्ख समुदाय ने रविवार को फतेहाबाद में एक बैठक कर विधानसभा चुनावों में 20 सीटों की मांग की है। साथ ही यह चेतावनी भी दी है कि यदि पार्टियों ने सिख समाज को टिकट नहीं दिए गए तो समाज एकजुट होकर 15 से 20 सीटों पर अपने उम्मीदवार खड़ा करेगा। इसके लिए विभिन्न दलों से जुड़े सिख अब एक झंडे के नीचे इक_ होंगे। अपनी मांगों को लेकर सितंबर माह में राज्य स्तर पर एक बड़ा सिख सम्मेलन आयोजित होगा। इसमें प्रदेशभर से सिखों को एकजुट होकर विधानसभा चुनाव में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने सहित अन्य मांगें समाज उठाएगा। रविवार को इसको लेकर करनाल से सिख समाज के प्रतिनिधि फतेहाबाद पहुंचे और यहां के सिख समाज के लोगों के साथ मीटिंग की। मीटिंग में साफ तौर पर कहा गया कि उन्हें 15 से 20 सीटों पर प्रतिनिधित्व पार्टियां दें, प्रदेश के स्कूलों में पंजाबी के अध्यापक भर्ती करे, परीक्षाओं के दौरान विद्यार्थियों को पांच ककारों को उतारने के लिए मजबूर न करने, लोकसभा में 3 सीटों पर प्रतिनिधित्व और सिखों के प्रति सोशल मीडिया पर नफरती पोस्टों पर नकेल के लिए एसआईटी गठित करने सहित कई मांगें उठाई गई।

प्रदेश में आबादी 18 लाख

सिख समाज के प्रतिनिधियों ने कहा कि इन मांगों को लेकर वे सत्तारूढ़ व विपक्षी पार्टियों के सामने जाएंगे, जो उनकी मांगों को पूरा करने का वादा करेगा, समाज उनका साथ देगा। यदि कोई भी दल उनकी मांगें नहीं मानता तो अपने स्तर पर समाज अपने बैनर तले चुनाव लड़ेगा और अपने उम्मीदवार उतारेगा। इस दौरान प्रीत पाल सिंह पन्नू ने मीटिंग एजेंडे बारे कहा कि हरियाणा में सिखों की आबादी लगभग 18 लाख है, लेकिन राजनीतिक पार्टियों ने सिखों को पीछे धकेलने के लिए सिख आबादी को जातियों में बांट दिया। इनमें जट्ट सिख को अलग दिखा दिया, खत्री सिखों को पंजाबियों में गिन दिया। रायसिख, रामदासिया, मजहबी सिखों को अनुसूचित जातियों में गिन दिया, जबकि सिख समाज बंटा हुआ नहीं, उनसे ज्यादतियां हो रही हैं। पंजाबी भाषा को दूसरी भाषा का दर्जा तो दिया, लेकिन पढ़ाने के लिए अध्यापक ही नहीं दिए। इसके अलावा सिख अलग अलग पार्टियों व धार्मिक संगठनों से जुड़े हैं, लेकिन अपनी मांगों को लेकर एक मंच पर नहीं आ पाते, अब पूरे प्रदेश में जा जाकर उन्हें एकजुट किया जा रहा है।